

: **ट्रीफ बॉक्स :**

दिल्ली में नाबालिग से रेप

12 दिन में चौथा मामला

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर
होटल में बुलाया, आरोपी
फरार; पॉस्को में केस



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वजीराबाद इलाके की एक होटल में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया। घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और उसका बयान दर्ज किया।

मेडिकल जांच और लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट में केस दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

दिल्ली में पिछले 12 दिनों में नाबालिग से रेप का यह चौथा मामला है। NCRB के आंकड़ों के मुताबिक, पॉस्को केस में करीब 97% आरोपी, पीड़ित को पहले से जानता है।

बंगाल सरकार स्टूडेंट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर को कमी के चलते 250 मदरसों को बंद करेगी



कोलकाता, एजेंसी। आधारभूत संरचना की भारी कमी और छात्रों की घटती संख्या के चलते नवना को राज्य के मदरसों को लेकर सख्त कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। साल के आखिर तक राज्य सरकार लगभग 300 और मदरसों को हमेशा के लिए बंद करने वाली है। कम से कम 250 सरकारी मान्यता वाले प्राइवेट मदरसे, जिनमें सही इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टूडेंट्स की कमी है, इस आने वाले दिसेंबर तक बंद होने वाले हैं।

एडमिनिस्ट्रेशन ने पहले ही गड़बड़ियों के आरोप में सौ और मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन संस्थानों को पूजा की छुट्टियों से पहले अपना जवाब देने का निर्देश दिया गया है। एडमिनिस्ट्रेटिव सूत्रों के मुताबिक इस बात की पूरी संभावना है कि इन सौ मदरसों में से कम से कम पचास मदरसे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। कुल मिलाकर, दिसेंबर तक लगभग तीन सौ मदरसे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। मदरसा शिक्षा में पारदर्शिता लाने और इसकी गुणवत्ता सुधारने को लेकर प्रशासन का रवैया लंबे समय से सख्त रहा है।

सेवा संकल्प यात्रा: प्रतिभागियों से प्रधानमंत्री मोदी ने की बातचीत

कहा- सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों से बातचीत की। सेवा यात्री 10 समूहों में वडनगर से वाराणसी तक साइकिल यात्रा कर रहे हैं। इसके साथ ही बातचीत में झाबुआ जिले के एक गांव में 'मोदी फालिया' नाम रखे जाने और युवाओं के समर्थन का भी जिक्र हुआ।

पुरानी कहावत का जिक्र कर क्या बोले पीएम? प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक पुरानी कहावत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एक पुरानी कहावत है कि जब कोई यात्रा से लौटता है और आप उन्हें प्रणाम करते हैं, तो उस यात्रा से मिले आध्यात्मिक पुण्य का



आधा हिस्सा प्रणाम करने वाले व्यक्ति को मिल जाता है।

'सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए'... पीएम मोदी ने हिस्सा लेने वालों से अपना ध्यान रखने को कहा और इस बात पर जोर दिया कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए।

सेहत: कैंसर की दवाओं को जीएसटी से बाहर करने की सिफारिश

आयुष्मान में कीमो-इम्युनोथेरेपी का खर्च जोड़ने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर के इलाज का खर्च आम मरीज की पहुंच में लाने के लिए संसद की स्वास्थ्य संबंधी स्थायी समिति ने बैठक की। समिति ने कैंसर की सभी दवाओं को जीएसटी के दायरे से बाहर करने की बात कही। इसके अलावा महंगे इलाज को आयुष्मान भारत योजना में अधिक व्यापक रूप से शामिल करने पर जोर दिया।

संसदीय समिति ने क्या कहा? समिति ने कीमोथेरेपी और



इम्युनोथेरेपी जैसे महंगे उपचार को भी आयुष्मान के दायरे में लाने, कैंसर मरीजों के लिए अतिरिक्त उपचार राशि की सुविधा देने की बात भी कही।

संसदीय समिति ने कहा कि दवाओं की कीमतों में निर्माता से मरीज तक बढ़ने वाली लागत की जांच होनी चाहिए। कहा कि जो दवा निर्माता स्तर पर कम कीमत

भाजपा ने बंगाल चुनाव में 287 करोड़ खर्च किए

5 राज्यों के चुनावी खर्च का आधे से ज्यादा बंगाल में; बाकी 4 राज्यों में 242 करोड़ खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी ने असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में कुल 529.38 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें सबसे ज्यादा 286.99 करोड़ रुपए पश्चिम बंगाल में खर्च हुए। बंगाल में पार्टी ने चुनाव प्रचार पर 217.16 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर 69.83 करोड़ रुपए खर्च किए। बंगाल में बीजेपी ने पहली बार सरकार बनाई।

बीजेपी का बंगाल में खर्च कांग्रेस के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में किए गए कुल 248.55 करोड़ रुपए के खर्च से ज्यादा रहा। CPI(M) का कुल खर्च 39.04 करोड़ रुपए रहा। इसका खुलासा चुनाव आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट से हुआ है।

कांग्रेस ने बंगाल चुनाव में 42.08 करोड़ रुपए खर्च किए: बंगाल में पार्टी ने



घोषित नतीजों वाली 293 सीटों में से 207 सीटें जीतीं, जबकि TMC को 80 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने राज्य में 293 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ा और 2 सीटें जीतीं।

कांग्रेस ने बंगाल में कुल 42.08 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 12.96 करोड़ रुपए प्रचार और 29.12 करोड़ रुपए उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर लगाए गए। CPI(M) ने बंगाल में 197 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट जीती। पार्टी ने चुनाव में 8.23 करोड़ रुपए

बीजेपी मुख्यालय को चुनाव के दौरान 1,472.8 करोड़ मिले... बीजेपी ने असम में 96.27 करोड़ रुपए, तमिलनाडु में 51.56 करोड़ रुपए और पुडुचेरी में 11.90 करोड़ रुपए खर्च किए। इसके अलावा केरल और पश्चिम बंगाल में भी खर्च किया।

खर्च किए। वहीं, TMC की चुनावी खर्च रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है।

केरल में बीजेपी ने प्रचार पर 54.93 करोड़ रुपए खर्च किए: केरल में कांग्रेस ने अपने मुख्यालय और राज्य इकाई के जरिए 105.34 करोड़ रुपए खर्च किए। वहीं बीजेपी का खर्च 82.67 करोड़ रुपए रहा। कांग्रेस ने केरल में प्रचार पर 71.30 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर 34.05 करोड़ रुपए खर्च किए।

आंध्र प्रदेश के तट से चक्रवात अर्नब टकराया

ओडिशा में भारी बारिश से कई पुल बहे, 5000 लोग सुरक्षित जगह भेजे: बंगाल में भी अलर्ट



नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। दक्षिणी जिलों में 4 से ज्यादा पुल और सड़कें बह गईं। हवाहावाहवा आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों में लगातार दूसरे दिन छुट्टी घोषित की गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले 6 घंटे में 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा।

उत्तराखंड में बारिश की संभावना... उत्तराखंड मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों (उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, पौड़ी, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़) में बारिश की संभावना जताई है, जबकि शेष जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

वहीं, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का अनुमान है। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है।

यूपी में फिर बारिश का दौर: उत्तर प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी बारिश फिर शुरू हो गई है। लखनऊ, गोंडा, महाराजगंज, उन्नाव और प्रयागराज में बारिश दर्ज की गई। गोंडा में तड़के 4 बजे से जारी मूसलाधार बारिश के कारण कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

जेलैंस्की बोले- रूस भारतीयों को बहला-फुसलाकर जंग में भेज रहा

● 47 देशों के नागरिकों को भर्ती किया ● जंग में भारत के 51 लोगों की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलैंस्की ने बुधवार को ह महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं।

जेलैंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी



है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है।

जेलैंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जा चाहते हैं: जेलैंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

काबुल/ एजेंसी। पाकिस्तान ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तराई ने कहा कि ये हमले अफगानिस्तान से एक दिन पहले हुए ड्रोन हमलों के जवाब में किए गए हैं।

तराई के मुताबिक, इन 10 जगहों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि



इन ठिकानों की पहचान की गई और सटीक तरीके से हमलों को अंजाम दिया गया। अफगानिस्तान ने इन ताजा हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा... पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहट व तोखम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ।



» मृतकों के परिजन को 2-2 लाख देने का ऐलान

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है। बस में 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ यात्री खिड़कियां तोड़कर बाहर निकल गए।

हादसा रात करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर दूर हुआ।



बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। एसी में ब्लास्ट की आशंका है। शव बुरी तरह जल गए हैं। अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

एफआईआर में यात्री सुनील कुमार ने बताया कि बस में जलने की गंध आ रही थी। ड्राइवर-कलीनर सिम्परे पी रहे



थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। कुछ देर बाद बस में आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शोशे तोड़ने के बाद बस रोकी गई।

पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश की राज कल्पना ट्रेवलस की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और

21.75 लाख जुर्माना लगा है। पुलिस ने ड्राइवर पवन और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है।

45 मिनट में आग बुझी, 2 घंटे चला रेस्क्यू: फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 45 मिनट में आग बुझाई। बस का पिछला हिस्सा काटकर फायरकर्मियों अंदर पहुंचे। एक-



राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने बताया दुख... राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से हुई मौतों को दुखद बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

एक शव बाहर निकाला गया। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार के मुताबिक

प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एवस पर दुख व्यक्त किया... ग्रेटर



नोएडा, उत्तर प्रदेश में बस में आग लगने की दर्दनाक घटना में लोगों की जान जाने की खबर से बेहद दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

शुरुआती जांच में एसी में स्पाक या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है। 9 शवों को नोएडा के

सीएम योगी ने भी बताया दुख... उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बात की। अधिकारियों को तत्काल सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

सेक्टर 94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस लाया गया। शवों की पहचान करना मुश्किल नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में पुरानी ई-चालान व्यवस्था बंद, अब नई प्रणाली से कटौती यातायात चालान



लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में वाहनों के ई-चालान की पुरानी व्यवस्था बुधवार रात से बंद कर दी गई है। अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालान नई ई-चालान प्रणाली से ही काटे जाएंगे। पुरानी व्यवस्था में लंबित चालानों और जरूरी अभिलेखों को नई प्रणाली में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यातायात निदेशालय ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि न्यायालय और लोक अदालत से संबंधित रसीदों का विवरण रात 12 बजे से पहले नई व्यवस्था में दर्ज कर दिया जाए। इसके साथ ही पुरानी प्रणाली में दर्ज जरूरी आंकड़ों को भी नई प्रणाली में स्थानांतरित किया जा रहा है। पुरानी व्यवस्था में लंबित मामलों को नई प्रणाली में शामिल किया जा रहा है, ताकि पहले से दर्ज चालानों के निस्तारण में किसी तरह की परेशानी न हो। लंबित आंकड़ों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नई ई-चालान प्रणाली को पूरी तरह सक्रिय किया जाएगा। इसके बाद नए चालान इसी व्यवस्था के माध्यम से जारी होंगे नई प्रणाली में चालानों और अभिलेखों का प्रबंधन अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा। न्यायालय और लोक अदालत से जुड़े मामलों का विवरण भी इसमें उपलब्ध रहेगा। यातायात निदेशालय ने नई व्यवस्था के संचालन के दौरान अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। किसी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। विभाग ने पुरानी व्यवस्था से जुड़े लंबित मामलों और आंकड़ों को नई प्रणाली में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

बांसवाड़ा में युवा महोत्सव के नाम पर मतांतरण का खेल, गरीब आदिवासियों को बनाया निशाना; 16 भिरफटार



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के शिवपुरा क्षेत्र में युवा महोत्सव के नाम पर लोगों को एकत्रित कर प्रलोभन व दबाव से मतांतरण करवाने का प्रयास किया गया। धन के लालच में कुछ गरीब आदिवासियों ने मतांतरण भी कर लिया। इस मामले में पुलिस ने एक युवक द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए 16 नामजद लोगों को हिरासत में ले लिया। इनमें मसीह सेवा समिति के आधा दर्जन पदाधिकारी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को माकड़ीचौर गांव निवासी आदित्य डिंडोर ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया था कि युवा महोत्सव के नाम पर लोगों का मतांतरण करवाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब 150 से अधिक लोगों को वहां से हटाया। जांच में सामने आया है कि मतांतरण करने युवाओं को प्रति माह 25 हजार रुपये नकद देने, प्रतियोगी परीक्षा में चयन करवाने और अन्य तरह से मदद करने का लालच दिया जा रहा था।

बंगाल में सीसीए आवेदक परिवार से एक लाख रुपये की मांग

बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर वीडियो प्रसारित करने की धमकी

धूपगुड़ी, एजेंसी। बांग्लादेश से भारत आने के बाद नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले एक परिवार से एक लाख रुपये की मांग की गई है। उनका आरोप है कि खुद को पत्रकार बताकर दो कंटेनर क्रिएटर उनके घर पहुंचे और सीएए आवेदन को लेकर सवाल-जवाब करने लगे। पैसे नहीं देने पर बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित करने और देश से बाहर निकाल देने की धमकी दी। यह घटना बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले की है। मामले में जिले के धूपगुड़ी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता परिवार के अनुसार वह बांग्लादेश से आकर साकोयाझोरा-दो ग्राम पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से रह रहे हैं। अब उन्होंने नागरिकता संबंधी कानून सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है।

सुपर अल नीनो, पराली और सर्दियां... दीवाली से पहले दिल्ली-यूपी और हरियाणा समेत 5 राज्यों की बड़ी चिंता

लखनऊ, पटना, जयपुर, एजेंसी। सर्दियां चौरखट पर खड़ी हैं, लेकिन अल-नीनो का साया दरवाजा रोककर खड़ा है। इसके साथ ही पराली जलाने का मौसम भी नजदीक आ गया है। ऐसे में देश की राजधानी दिल्ली समेत इससे सटे राज्य उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान की हवा बदलने वाली है। बारिश के होने से हवा में जमा प्रदूषक तत्व धुल जाते हैं, लेकिन सुपर अल-नीनो के चलते बारिश की संभावना कम हो गई है। ऐसे में पराली के धुएं से प्रदूषण के और भी ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

प्रशांत महासागर का तापमान 3-डिग्री बढ़ा: सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के फाउंडर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में चेयर प्रोफेसर गुफरान बेग ने कहा, 'हम सुपर अल नीनो का सामना कर रहे हैं, जो इस सदी की अनाखी घटना है।' प्रोफेसर गुफरान बेग ने कहा, 'प्रशांत महासागर का तापमान पहले ही 3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ चुका है। इससे वेस्टर्न

डिस्टर्बेंस कम होंगे। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के ज्यादा होने से दिल्ली में बारिश होती है और कुछ समय के लिए प्रदूषक साफ हो जाते हैं, लेकिन वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कम होने से प्रदूषण का जमावड़ा ज्यादा होगा।'

सर्दियों के मौसम में कम पड़ेगी ठंड: प्रोफेसर गुफरान बेग का मानना कि इस साल

जैसी गर्मी पड़ रही है। ऐसे में इस बार ठंड के मौसम में भी तापमान में ज्यादा गिरावट होने का अनुमान नहीं लगाया जा रहा है।

पराली के जलने से खराब होगी हवा: देश में ज्यादातर अक्टूबर के महीनों में खेतों में फसल की कटाई शुरू होती है, इसके बाद ज्यादातर किसान पराली जलाते हैं, जिससे प्रदूषण इतना बढ़ जाता है, उस हवा में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही ठंड का मौसम और पराली का धुआं हवा को और भी खराब कर देता है। अभी ठंड का मौसम आया भी नहीं है कि पराली जलाने के मामले भी सामने आने लगे हैं। 15 से 23

सितंबर के बीच पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, यूपी और मध्य प्रदेश में ऐसे 47 मामले सामने आ चुके हैं। पराली जलाने का सबसे ज्यादा समय दीवाली के आसपास होता है, जब सर्दियां शुरू हो रही होती हैं। इस बार दीवाली 8 नवंबर की है और अभी से पराली जलाने की घटनाएं सामने आने लगी हैं। अभी खेतों में आग लगने की घटनाएं कम हैं, लेकिन अक्टूबर में इनकी रोजाना संख्या बढ़ेगी और नवंबर के शुरुआती 10 दिनों में यह सबसे ज्यादा होगी। आमतौर पर पराली जलाने का काम 15 सितंबर से 30 नवंबर के बीच होता है।

पराली जलाने की घटनाओं में कमी

खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में हर साल कमी दर्ज हो रही है, लेकिन हवा को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर समाधान पर ध्यान देने की जरूरत है पंजाब में पिछले साल खेतों में आग लगने की 5,114 घटनाएं हुईं, जो 2024 में 10,909 थीं। हरियाणा में 2024 में पराली जलाने की 1,406 घटनाएं दर्ज की गईं, जो कि 2025 में घटकर 662 हो गईं। उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं 2024 में 6,142 से बढ़कर 2025 में 7,290 हो गईं।

तमिलनाडु के त्रिची-चेन्नई नेशनल हाईवे पर प्राइवेट बस और कार की भिड़ंत, 3 लोगों की मौत

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के पेरेम्बलूर जिले में थुरईमंगलम के पास त्रिची-चेन्नई नेशनल हाईवे पर प्राइवेट बस और कार के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। त्रिची-चेन्नई नेशनल हाईवे पर हुए हादसे में चार लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार और बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रामनाथपुरम जिले के मुदुकुलाथुर में ओरिव्याल गांव के रहने वाले कार्थी (38) चेन्नई में काम करते थे। वह अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए अपनी पत्नी सूर्या और गांव के दोस्तों के साथ अपने गांव गए थे। शादी के बाद, कार्थी, उनकी पत्नी और दोस्त कार से चेन्नई लौट रहे थे, तभी ह्वा-38 पर थुरईमंगलम के पास उनकी कार तेजी से आगे चल रही एक बस के पिछले हिस्से से टकरा गई। इस हादसे की सूचना मिलने पर पेरेम्बलूर टाउन पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और घायलों को पेरेम्बलूर सरकारी

अस्पताल पहुंचाया। कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान ओरिव्याल के काजा उर्फ कालिशवरन और रसिकुलम के प्रभाकरन के नाम से हुई है। गंभीर रूप से घायल कार्थी को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कार्थी की पत्नी सूर्या, कार ड्राइवर कन्दासन, जॉन कैनेडी और सरन्या को पेरेम्बलूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल सूर्या को बाद में आगे के इलाज के लिए तिरुचिरापल्ली के एक अस्पताल में भेजा गया। पेरेम्बलूर पुलिस ने बताया, पुलिस ने शवों को बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा है।

ट्रंप ने टेक और एआई कंपनियों में किए करोड़ों डॉलर के शेयर सौदे, माइक्रोसॉफ्ट से स्पेसएक्स तक निवेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से जुलाई में किए गए करोड़ों डॉलर के शेयर बाजार लेनदेन का खुलासा हुआ है। आधिकारिक वित्तीय दस्तावेजों के मुताबिक ट्रंप की ओर से माइक्रोसॉफ्ट के 65 लाख डॉलर से 3.1 करोड़ डॉलर तक मूल्य के शेयर बेचे गए, जबकि इसी कंपनी के 1.65 लाख से 4 लाख डॉलर मूल्य के शेयर खरीदे गए। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एनवीडिया और रक्षा तथा आब्रजन विभागों के लिए काम करने वाली सॉफ्टवेयर कंपनी पालाटिर समेत कई कंपनियों में भी बड़े पैमाने पर लेनदेन हुए।

बीबीसी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा: बीबीसी की रिपोर्ट के

मुताबिक जुलाई के दौरान ट्रंप से जुड़े पोर्टफोलियो में 1,000 से अधिक शेयर लेनदेन हुए। इनमें शेयरों की खरीद और बिक्री दोनों शामिल हैं। दस्तावेजों में एलन मस्क की रॉकेट, सैटेलाइट और एआई कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में भी हजारों डॉलर के लेनदेन का उल्लेख है। मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला के शेयर भी ट्रंप की ओर से खरीदे और बेचे गए। ट्रंप के शेयर निवेश को लेकर संभावित हितों के टकराव पर सवाल उठने के बीच व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति के शेयर और बॉन्ड पोर्टफोलियो का प्रबंधन स्वतंत्र रूप से तीसरे पक्ष द्वारा किया जाता है। व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने बीबीसी को बताया कि न तो राष्ट्रपति ट्रंप और न ही उनके परिवार का कोई सदस्य यह निर्देश

देने, निवेश को प्रभावित करने या यह बनाने की क्षमता रखता है कि पोर्टफोलियो में कब निवेश किया जाए या कब किसी निवेश को बेचा जाए। प्रवक्ता ने कहा कि इसमें हितों का कोई टकराव नहीं है। ट्रंप जनवरी 2025 में दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद से अपने निवेश से जुड़े हजारों शेयर बाजार लेनदेन का सार्वजनिक खुलासा कर चुके हैं।

स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में भी कारोबार: दस्तावेजों के मुताबिक ट्रंप की ओर से स्पेसएक्स के शेयरों में भी खरीद-बिक्री की गई। स्पेसएक्स ने जून में अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक किए अपने शेयर सूचीबद्ध किए थे। सूचीबद्ध होने के बाद जुलाई और अगस्त में कंपनी के शेयर मूल्य में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। रिपोर्ट

के अनुसार फिलहाल स्पेसएक्स का शेयर मूल्य उसके बाजार में पदार्पण के स्तर से करीब 14 प्रतिशत ऊपर है। एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला के शेयरों में भी ट्रंप की ओर से लेनदेन किए गए। मस्क पहले ट्रंप प्रशासन में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख की भूमिका में रह चुके हैं।

ट्रंप की एआई नीति भी चर्चा के केंद्र में: शेयरों के खुलासे ऐसे समय में सामने आए हैं जब ट्रंप प्रशासन की एआई नीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस चल रही है। ट्रंप एआई के विकास पर कड़े सरकारी प्रतिबंधों और सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त नियमों के पक्ष में नहीं हैं। उनका तर्क रहा है कि बहुत अधिक नियमन से अमेरिका एआई की दौड़ में चीन से पीछे रह सकता है।

अमेरिकी एफ-35 के पुर्जें हांगकांग कैसे पहुंचे: पेंटागन ने शुरू की जांच, चीन के हाथ लगने की खबर से बढ़ी चिंता

उनके मुताबिक, इस मामले को अमेरिका और लोकहीड मार्टिन के स्तर पर संभाला जा रहा है। लोकहीड मार्टिन ने इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों की ओर से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि पुर्जें को खेप तय रास्ते से हटकर हांगकांग कैसे पहुंची।

अमेरिका में इस मामले को लेकर चिंता क्यों बढ़ी: इस घटना ने अमेरिकी सुरक्षा और तकनीकी जानकारी की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले पर अमेरिकी कांग्रेस में भी पूछताछ शुरू हुई थी। चिंता इस बात को लेकर है कि कहीं चीन को एफ-35 से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी तक पहुंच तो नहीं मिल गई। हालांकि उपलब्ध जानकारी में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री ने इन पुर्जें को संवेदनशील नहीं बताया है। एफ-35 को अमेरिका का सबसे उन्नत लड़ाकू विमान माना जाता है और इसकी तकनीक में स्टैलीथ क्षमता, आधुनिक रडार, सेंसर और दूसरे नेटवर्किंग सिस्टम शामिल हैं।

क्या चीन के पास एफ-35 से जुड़ी जानकारी पहले भी रही: चीन के पास एफ-35 से जुड़ी कुछ पुरानी खुफिया जानकारी पहले से होने की आशंका जताई जाती रही है। 2013 में पेंटागन को सलाह देने वाले डिफेंस साइंस बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चीनी साइबर हमलों के जरिए अमेरिकी रक्षा विभाग के कई कार्यक्रमों से जुड़ा डेटा हासिल

किया गया था। इसमें ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर कार्यक्रम भी शामिल था। हालांकि समय के साथ अमेरिकी सैन्य तकनीक में लगातार बढ़ताव और सुधार होते रहे हैं। इसलिए पुरानी जानकारी की उपयोगिता समय के साथ कम हो सकती है।

एफ-35 को इतना खास क्यों माना जाता

एफ-35 लाइटनिंग स्ट्राइक फाइटर को पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बताया जाता है। इसमें स्टीलथ तकनीक के साथ आधुनिक रडार और सेंसर लगाए गए हैं। इसका उद्देश्य दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाना और युद्ध के दौरान सहयोगी विमानों तथा जमीन पर मौजूद सैन्य बलों के साथ जानकारी साझा करना है। इस विमान का पहला उत्पादन करीब 20 साल पहले टेक्सास में हुआ था। इसके बाद अब तक 1,200 से ज्यादा एफ-35 बनाए जा चुके हैं और 19 देशों ने इस विमान के लिए ऑर्डर दिए हैं।

हांगकांग का इस मामले से क्या संबंध

हांगकांग वर्ष 1997 में ब्रिटेन से चीन को वापस मिला था और अब चीन के नियंत्रण में है। हांगकांग की अपनी अलग सेना नहीं है और वह स्वतंत्र रूप से कूटनीतिक संबंध भी नहीं चला सकता। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका का एफ-35 की खेप का हांगकांग पहुंचाना सुरक्षा के लिहाज से अलग महत्व रखता है। फिलहाल मुख्य सवाल यही है कि खेप का रास्ता किस स्तर पर बदला और इसके पीछे क्या कारण था। अमेरिकी अधिकारी और एफ-35 कार्यक्रम से जुड़े लोग इसी की जांच कर रहे हैं।

पेंटागन की जांच में अब किन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे

पेंटागन की जांच में यह पता लगाने पर ध्यान रहेगा कि एफ-35 के पुर्जें की खेप ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका भेजे जाने के दौरान हांगकांग कैसे पहुंची। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि इन पुर्जें तक किसकी पहुंच बनी और क्या किसी संवेदनशील तकनीकी जानकारी के सामने आने की आशंका है। एफ-35 ज्वाइंट प्रोग्राम ऑफिस ने कहा है कि पुर्जें को वापस हासिल करने, घटना की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटना रोकने के लिए सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह बदलाव किस स्तर पर हुआ।

पंचायत दर्पण पोर्टल की दक्षता बढ़ाने रामपुर नैकिन में कार्यशाला, सचिवों और रोजगार सहायकों को दिया प्रशिक्षण

ऑनलाइन प्रविष्टियों, राजस्व प्रबंधन, परिसंपत्ति मैपिंग और भुगतान प्रक्रिया की दी गई जानकारी, विद्युत समाधान शिविर में शिकायतों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पंचायतों में डिजिटल कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने और ऑनलाइन प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सभागार में पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में पंचायत दर्पण पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत के जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता ने पंचायत दर्पण पोर्टल के संचालन, आवश्यक प्रविष्टियां करने तथा

उपलब्ध जानकारी को नियमित रूप से अद्यतन करने की प्रक्रिया समझाई उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों की ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने में बरती जाने वाली

सावधानियों एवं समयबद्धता के संबंध में भी प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया कार्यशाला में स्वयं के स्रोत राजस्व प्रबंधन, दृष्टि लेखांकन, परिसंपत्ति मैपिंग, निर्माण कार्य प्रबंधन एवं

भुगतान सहित पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया पंचायतों के राजस्व एवं वित्तीय गतिविधियों से संबंधित प्रविष्टियां ऑनलाइन करने तथा पंचायत की

परिसंपत्तियों का विवरण पोर्टल पर दर्ज एवं अद्यतन करने की प्रक्रिया भी बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि पोर्टल पर जानकारी सही और समय पर दर्ज होने से पंचायतों के कार्यों की ऑनलाइन निगरानी एवं प्रगति की समीक्षा अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हरीश केशरवानी ने प्रशिक्षण में शामिल पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों को सभी मॉड्यूल में आवश्यक प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि पंचायत दर्पण पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय-समय पर दर्ज और अद्यतन की जाए ताकि पंचायतों से संबंधित ऑनलाइन कार्यों का संचालन सुचारु रूप से हो सके कार्यशाला के साथ ग्राम पंचायतों

में विद्युत बिलों के भुगतान एवं बिलों में संशोधन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए विद्युत समाधान शिविर भी आयोजित किया गया इसमें पंचायत सचिवों ने विद्युत बिलों से संबंधित अपनी शिकायतें एवं समस्याएं विद्युत विभाग के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। कार्यशाला में विकासखंड पंचायत अधिकारी, विकासखंड समन्वयक आरजीएसए, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पंचायत समन्वयक अधिकारी तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे प्रशिक्षण के माध्यम से पंचायत स्तर पर डिजिटल कार्यों की समझ बढ़ाने के साथ ऑनलाइन प्रक्रियाओं में दक्षता विकसित करने पर जोर दिया गया।

रश्मि शुक्ला का दोहा संग्रह दरकता दर्पण साहित्य जगत को नई दृष्टि देता है : कुलगुरु कुड़रिया

विंध्य के रचनाकारों की मौजूदगी में हुआ पुस्तक विमोचन, साहित्य साधना और रचनाधर्मिता को मिली सराहना



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के पं. शंभूनाथ शुक्ल सभागार में वरिष्ठ साहित्यधर्मी रश्मि शुक्ला के आठवें साहित्यिक कृति दरकता दर्पण दोहा संग्रह का भव्य विमोचन किया गया। सिद्धि-विनायक भगवान गणेश के उत्सव अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विंध्य क्षेत्र के बड़ी संख्या में साहित्यकार, कवि और रचनाकार उपस्थित रहे। पुस्तक

का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुड़रिया, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. चंद्रिका प्रसाद चंद्र, कुलसचिव नीरजा नामदेव, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत चट्टेला, बघेली शोध पीठ के निदेशक डॉ. अनुराग मिश्र एवं मंच संचालक बोरलाल जैन ने किया। कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुड़रिया ने दरकता दर्पण की सराहना करते हुए इसे अद्भुत दोहा संग्रह बताया। उन्होंने कहा कि रश्मि शुक्ला की रचनाएं साहित्यिक

संवेदना और सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करती हैं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. चंद्रिका प्रसाद चंद्र ने संग्रह की सारगर्भित सामग्री को पाठकों के लिए उपयोगी बताया अतिथियों ने रश्मि शुक्ला को दीर्घायु एवं निरंतर साहित्य साधना के लिए शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में कलम परिवार के संस्थापक नारायण डिगवानी, संरक्षक जगजीवनलाल तिवारी कक्का, अध्यक्ष रामकृष्ण द्विवेदी, प्रचार सचिव स्नेहा पिपाठी खनक, बघेली साहित्य सेवा मंच के अध्यक्ष भृगुनाथ पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कवि एवं साहित्यकार मौजूद रहे कार्यक्रम का आयोजन बघेली साहित्यकार स्वर्गीय भगवती प्रसाद शुक्ला की जन्म शताब्दी के अवसर पर किया गया रश्मि शुक्ला ने अपनी पुस्तक दरकता दर्पण अपने पिता को समर्पित करते हुए उनकी

साहित्यिक परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। रश्मि शुक्ला को नेपाल में हिन्दी रत्न सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनकी पूर्व प्रकाशित कृतियों में सेन्दुर के बोझ, अंबर होइगे, मात्सबा, एंगुर, दिया, पनघट और बिना पानी सब सून शामिल हैं इन कृतियों में बघेली और हिंदी भाषा में कविता, कहानी तथा साहित्य की विविध विधाओं को स्थान मिला है। शिक्षा विभाग में संयुक्त संचालक के पद सहित विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुकीं रश्मि शुक्ला वर्तमान में कलम परिवार एवं हिन्दू धर्म परिषद की संरक्षक के रूप में साहित्यिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय हैं विंध्य की साहित्यिक परंपरा को समृद्ध करने और नई पीढ़ी को रचनात्मक दिशा देने में उनके योगदान को कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों ने सराहा।

सेवा संकल्प अभियान में नुक्कड़ नाटक से गूंजा नशामुक्ति का संदेश

सिहावल के सोनवर्षा और रामपुर नैकिन के डडिया में विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से ग्रामीणों को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में नशामुक्ति को लेकर निरंतर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं इसी क्रम में 23 सितंबर को सिहावल विकासखंड के सोनवर्षा तथा रामपुर नैकिन विकासखंड के डडिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रमों में विद्यार्थियों एवं बच्चों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवागत करया सिहावल विकासखंड के सेक्टर क्रमांक-2 अमिलिया अंतर्गत नवांकुर संस्था गुरु रविदास अनुसूचित जाति उत्थान समाज सेवा समिति, सहजी तथा रामपुर नैकिन विकासखंड के सेक्टर क्रमांक-1 चुरहट अंतर्गत नवांकुर



संस्था शहीद सुधाकर सिंह सेवा समिति, डडिया द्वारा कार्यक्रम और समाज भी प्रभावित होता है प्रस्तुतियों के जरिए युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवार, गांव और आसपास के

प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि इससे परिवार और समाज भी प्रभावित होता है प्रस्तुतियों के जरिए युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवार, गांव और आसपास के

युवाओं को भी नशे की लत से बचाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया उन्होंने समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने और नशामुक्ति के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की बात कही। जागरूकता कार्यक्रमों में उपस्थित ग्रामीणों ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की बात कही ग्रामीणों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहा कि रचनात्मक एवं स्थानीय माध्यमों से दिशा गया संदेश लोगों तक सहजता से पहुंचता है और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में उपयोगी साबित होता है सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेरे सपनों का भारत में विद्यार्थियों ने रंगों और शब्दों से सजाया विकसित भारत का सपना



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण, रचनात्मकता और विकसित भारत की संकल्पना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं इसी क्रम में सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपराही एवं शासकीय हाई स्कूल तिलया में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत, स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण मुक्त भारत जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए आत्मनिर्भर, स्वच्छ एवं विकसित भारत की अपनी परिकल्पना साझा की मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके विचार भी जाने प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक दायित्व और जनसेवा जैसे विषयों से जोड़ने का प्रयास किया गया विद्यार्थियों ने अपने चित्रों और भाषणों के माध्यम से भविष्य के भारत को लेकर अपनी कल्पनाओं एवं विचारों को अभिव्यक्त किया सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता, रचनात्मक सोच तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना है अभियान के माध्यम से जिले में विभिन्न सेवा एवं जनभागीदारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन शुरू, 210 किसानों ने कराया पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिले में अब तक धान उपार्जन के लिए 210 किसान अपना पंजीयन करा चुके हैं पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है कलेक्टर संजय कुमार जैन ने किसानों से निर्धारित अवधि में पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य पर उपार्जन योजना का लाभ लेने की अपील की है प्रभारी जिला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विवेक सिंह ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केंद्रों पर निशुल्क पंजीयन करा सकते हैं इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं निजी साइबर कैफे के माध्यम से भी पंजीयन कराया जा सकता है ऑनलाइन एवं अन्य शसुल्क केंद्रों पर किसान निर्धारित 50 रुपये शुल्क देकर पंजीयन करा सकेंगे किसानों से कहा गया है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि समर्थन मूल्य पर उपार्जन योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी पंजीयन केंद्र पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना पंजीयन सुनिश्चित करें।

सभागार अनुमति को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन, कुलपति पर लगाए दोहरे मापदंड के आरोप



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 28 सितंबर को एनएसयूआई रीवा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शंभूनाथ सभागार में प्रस्तावित नवागंतुक समारोह की अनुमति को लेकर गुरुवार को छात्र संगठन ने प्रदर्शन किया एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कुलपति कक्ष के बाहर करीब चार से पांच घंटे तक धरना देकर कार्यक्रम के लिए सभागार उपलब्ध कराने की मांग की प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन भी विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद रहा एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र संगठनों के कार्यक्रमों के लिए समान नियम लागू करने की बात करता है लेकिन अलग-अलग संगठनों के लिए अलग-अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि करीब 10 दिन पहले 16 सितंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले इसी शंभूनाथ सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ था उनके अनुसार उस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति स्वयं मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे उपाध्याय ने कहा कि एनएसयूआई की ओर से 28 सितंबर को नवागंतुक समारोह आयोजित करने के लिए विधिवत अनुमति मांगी गई थी लेकिन कुलपति कार्यालय द्वारा आवेदन पर लिखकर अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। उन्होंने इसे छात्रों के साथ असमान व्यवहार बताया है सभागार की अनुमति देने की मांग की प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलपति से छात्रों के बीच आकर संवाद करने और कार्यक्रम की अनुमति देने का आग्रह किया संगठन का आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बीच कुलपति अपने कक्ष से बाहर आए और छात्रों से संवाद किए बिना विश्वविद्यालय परिसर से चले गए एनएसयूआई ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि 28 सितंबर के नवागंतुक समारोह के लिए शंभूनाथ सभागार उपलब्ध कराया जाए और सभी छात्र संगठनों के लिए समान नियम व अनुमति प्रक्रिया लागू की जाए एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि 24 घंटे के भीतर अनुमति नहीं मिलने पर कुलपति के इस्तीफे की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की बात भी कही गई पंकज उपाध्याय ने कहा कि एनएसयूआई विद्यार्थियों के अधिकारों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

प्रधानमंत्री की चिंतन बैठक

प्रधानमंत्री की ओर से अपनी मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के साथ दो दिवसीय चिंतन बैठक यह रेखांकित कर रही है कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श होने जा रहा है। इनमें से एक विकसित भारत के लिए आवश्यक कदमों पर अमल करना और सुधारों को आगे बढ़ाना है। इस बैठक में योजनाओं की प्रगति, नीतियों के क्रियान्वयन और मंत्रालयों के बीच तालमेल जैसे विषयों पर भी चर्चा संभावित है।

जो भी हो, सरकार के कामकाज को और

प्रभावी बनाना समय की मांग है। इसके लिए नौकरशाही को अपना रुख-रवैया बदलना होगा। इससे इनकार नहीं कि मोदी सरकार की ओर से विकास और जनकल्याण संबंधी अनेक कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि इन कार्यों की गति और गुणवत्ता बढ़ाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति करके ही 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

इस लक्ष्य को आसान बनाने के लिए यह

गुणवत्तापूर्ण चाहिए। इनमें नागरिक सुविधाओं से लेकर उपभोक्ता सामग्री एवं आमोद-प्रमोद के साधन भी शामिल हैं। ध्यान रहे कि देशों का वैभव उनके शहरों में भी प्रकट होता है। शहरों को साधन संपन्न बनाने का काम प्रमुखता से होना चाहिए, ताकि वे तनाव मुक्त जीवन का जरिया बन सकें। शहरों की सूरत सँवराने के साथ ही सरकार को

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेहत सुधारने पर भी विशेष ध्यान देना होगा। यह ठीक नहीं कि तमाम प्रयासों के बाद भी कृषि की उत्पादकता बढ़ने का नाम नहीं ले रही है। इसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है। एक अन्य मोर्चा शिक्षा का है। यह ठीक है कि नई शिक्षा नीति पर अमल हो रहा है, लेकिन सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

ऐसी ही चुनौती युवाओं को उपयुक्त कौशल से

लैस करने की भी है। हमारे युवा डिग्री तो हासिल कर ले रहे हैं, लेकिन वे किसी कौशल से लैस नहीं हो पा रहे हैं। इस समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि इससे ही रोजगार की चुनौती का सामना करने में मदद मिलेगी। किसी भी सरकार का लक्ष्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और जीवन को आसान बनाना होता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तब आसानी से होती है, जब नियम-कानूनों का सही से पालन होता है।

पुरुषार्थ जगाएं त्यसन त्यागें कातिलाल मांडोट

व्यसन केवल व्यक्ति की एक बुरी आदत नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे उसके स्वास्थ्य, परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक शांति को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन जाता है। आज समाज में नशे के अनेक रूप दिखाई देते हैं। शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों की आदत व्यक्ति के जीवन में ऐसी जकड़न पैदा कर देती है, जिससे बाहर निकलना कठिन होता जाता है। व्यसन की शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के दबाव या केवल एक बार आजमाने से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत आवश्यकता और फिर मजबूरी बन जाती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना भी एक प्रकार का पुरुषार्थ है।

पुरुषार्थ का अर्थ केवल धन कमाने या कठिन परिश्रम करने तक सीमित नहीं है। अपने मन और इच्छाओं पर नियंत्रण रखना भी पुरुषार्थ है। जो व्यक्ति किसी गलत आदत के सामने दृढ़ता से खड़ा रहकर उसे स्वीकार नहीं करता, वही वास्तविक अर्थों में पुरुषार्थी है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को सही और गलत के बीच चुनाव करना पड़ता है। उस समय आत्मसंयम और दृढ़ इच्छाशक्ति ही उसकी रक्षा करते हैं। व्यसन छोड़ने का निर्णय भी इसी दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव होता है।

इतिहास में महात्मा गांधी का जीवन पुरुषार्थ और आत्मसंयम का उदाहरण माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जेल के दौरान वे दिए गए काम को निर्धारित समय से पहले पूरा कर लेते और शेष समय ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन में लगाते थे। उनका यह स्वभाव बताता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों से ऊपर उठकर अपनी क्षमता और पुरुषार्थ का उपयोग कर सकता है। यही सिद्धांत व्यसन मुक्ति पर भी लागू होता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर यह संकल्प पैदा कर ले कि उसे नशे का गुलाम नहीं बनना है, तो धीरे-धीरे वह अपनी आदत पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है। व्यसन का सबसे पहला और गहरा असर व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। नशे की आदत के कारण कमाई का बड़ा हिस्सा व्यसन में खर्च होने लगता है। घर की आवश्यकताओं के लिए धन की कमी पैदा होती है और परिवार में तनाव बढ़ता है। कई बार नशे की अवस्था में व्यक्ति अपने व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, जिससे परिवार के सदस्यों को मानसिक पीड़ा और सामाजिक परेशानों का सामना करना पड़ता है। बच्चों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है, क्योंकि वे घर के वातावरण से बहुत कुछ सीखते हैं।

व्यसन व्यक्ति की कार्यक्षमता को भी कमजोर करता है। जो धन शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, रोजगार या परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने में लगाया जा सकता है, वही नशे की आदत में नष्ट हो जाता है। इस कारण आर्थिक कठिनाइयां बढ़ती हैं और व्यक्ति कर्ज तथा तनाव के चक्र में फँस सकता है। एक व्यसन दूसरे व्यसन का रास्ता भी खोल सकता है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण खो देता है, तब गलत संगति और अन्य बुरी आदतों का प्रभाव भी बढ़ सकता है।

व्यसन का प्रभाव केवल घर तक सीमित नहीं रहता। इससे समाज में अपराध, घरेलू विवाद, सड़क दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नशा मुक्ति केवल किसी एक व्यक्ति का निजी विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित से जुड़ा विषय है। सरकार और सामाजिक संस्थाएं समय-समय पर नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाती हैं, लेकिन केवल सभाओं, नारों और कार्यक्रमों से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सबसे जरूरी है कि व्यक्ति स्वयं व्यसन छोड़ने का संकल्प करे और परिवार तथा समाज उसे इस प्रयास में सहयोग दें। व्यसन मुक्ति का सबसे मजबूत आधार आत्मसंयम है। किसी व्यक्ति को यदि नशे की आदत लग चुकी है तो उसे तिरस्कार करने के बजाय समझाने और सहयोग देने की जरूरत है। परिवार को उसके साथ धैर्य रखना चाहिए और आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय तथा पारमर्श सहायता भी लेनी चाहिए। व्यक्ति को अपने खाली समय का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए। अध्ययन, योग, ध्यान, धार्मिक गतिविधियां, सेवा कार्य, खेल और रचनात्मक कार्य मन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। व्यसन छोड़ने के लिए पहला कदम स्वीकार करना है कि यह आदत जीवन को नुकसान पहुंचा रही है। इसके बाद दृढ़ संकल्प के साथ धीरे-धीरे उससे दूरी बनानी चाहिए। जिस संगति या वातावरण में नशे की आदत को बढ़ावा मिलता है, उससे दूरी रखना भी जरूरी है। अपने परिवार के भरोसे और सहयोग को अपनी शक्ति बनाना चाहिए। जो व्यक्ति आज नशे का लोग करता है, वह केवल अपना भविष्य नहीं बचाता, बल्कि अपने परिवार की खुशियां और आने वाली पीढ़ी का संस्कार भी बचाता है।

कुमार कृष्णन

उपराष्ट्रपति ने भारत की जल-विषमता की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि दुनिया की कुल भूमि का लगभग 2.4 प्रतिशत भारत में है, जबकि दुनिया की करीब 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है और मोटे पानी के वैश्विक संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी लगभग चार प्रतिशत है। यह आकड़ा केवल संकट की तस्वीर नहीं दिखाता, बल्कि उस भविष्य की ओर संकेत करता है जिसमें पानी के इस्तेमाल का मौजूदा तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सकता। आबादी बढ़ेगी, शहर फैलेंगे, उद्योग बढ़ेंगे और कृषि की पानी की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में पानी को केवल उपलब्ध संसाधन मानकर उसका अधिकाधिक दोहन करना भविष्य के संकट को आमंत्रित करना है। उपराष्ट्रपति ने तमिलनाडु में अपने बचपन के दिनों की पानी की कमी को याद करते हुए पानी बचाने को मानवता के लिए आवश्यक बताया। अब यह चिंता किसी एक क्षेत्र की नहीं रह गई है।

जलवायु परिवर्तन ने वर्षा की प्रकृति, उसकी तीव्रता और वितरण को अधिक अनिश्चित बनाया है। कहीं कुछ घंटों में इतनी बारिश होती है कि शहर डूब जाते हैं और खेत तबाह हो जाते हैं, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होती। फिर वही इलाका गर्मियों में पानी के संकट से जूझता है। बाढ़ और सूखा इसलिए दो अलग-अलग समस्याएं नहीं हैं। वे एक ही जलचक्र के दो छोर हैं।

पानी को जल उसकी प्राकृतिक गति में जगह नहीं मिलती तो अधिक बारिश बाढ़ बन जाती है। वर्षा का पानी जमीन में नहीं उतरता तो कुछ महीनों बाद वही क्षेत्र भूजल संकट से घिर सकता है। यही वह बिंदु है जहां जल प्रबंधन की पारंपरिक सोच बदलने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने दो दशक से अधिक पहले तमिलनाडु में लगभग 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा का उल्लेख किया, जिसका एक उद्देश्य नदी जोड़ने, जल संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इस बहस को केवल समर्थन या विरोध के नारों तक सीमित करने के बजाय वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। नदी केवल पानी की धारा नहीं है। उसका अपना प्रवाह, गाद, जैव-विविधता, भूजल से संबंध और किनारे रहने वाले समुदायों का जीवन होता है। इसलिए किसी भी नदी जोड़ परियोजना का मूल्यांकन पूरे नदी-बेसिन, पर्यावरणीय प्रवाह, गाद की गति और स्थानीय समाज पर उसके प्रभाव को ध्यान में रखकर होना चाहिए। भारत की पारंपरिक जल प्रणालियां इस संदर्भ में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं।



तालाब, कुएं, आहर-पाइन, जोहड़ और बावड़ियां केवल पानी जमा करने की संरचनाएं नहीं थीं। वे स्थानीय जल अनुशासन का हिस्सा थे। वर्षा कहां रुकेगी, खेत तक पानी कैसे पहुंचेगा और भूजल कैसे भरेगा—इन सवालों के स्थानीय उत्तर समाज ने अपने अनुभव से विकसित किए थे।

लेकिन परंपरा का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना होगा। स्थानीय अनुभव को जल-विज्ञान, उपग्रह आंकड़ों, भूजल अध्ययन और मौसम संबंधी पूर्वानुमानों से जोड़कर ही भविष्य की टिकाऊ जल व्यवस्था बनाई जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने नदी-बेसिन प्रबंधन, भूजल पुनर्भरण, वर्षाजल संचयन और बेहतर सिंचाई को एकीकृत रणनीति का हिस्सा बनाने की बात कही है। यह जल नीति के लिए जरूरी दिशा है। नदी किसी राज्य की सीमा देखकर अपना रास्ता नहीं बदलती। भूजल भी प्रशासनिक सीमा के आधार पर अपना व्यवहार नहीं करता। इसलिए जल सुरक्षा के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है। जल बंटवारे का प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि किस राज्य को कितना पानी मिलेगा। यह भी देखना होगा कि नदी और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कितना पानी बचा रहेगा। नदी से जितना पानी लिया जा सकता है, उतना ले लेना और नदी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी देना एक बात नहीं है।

पर्यावरणीय प्रवाह नदी की जीवन-रेखा है। मछलियों, डॉल्फिन, जलीय वनस्पतियों, नदी किनारे की जैव-विविधता और नदी पर निर्भर समुदायों का जीवन इसी प्रवाह से जुड़ा है। इसी संदर्भ में जलाशयों की तलछट का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। जल ससाह के अवसर पर, कुत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आधारित एकीकृत जलाशय तलछट प्रबंधन की शुरुआत की गई है। तकनीक जल प्रबंधन को अधिक सटीक और पूर्वानुमान आधारित बनाने में मदद कर सकती है। लेकिन गाद को केवल निकालकर बाहर कर देना समाधान नहीं है। गाद नदी की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा

उपयोग में ही आए। उपराष्ट्रपति ने 'जल संचय जल भागीदारी' को जन-आंदोलन बनाने की बात कही है। जनभागीदारी जल सुरक्षा की अनिवार्य शर्त है, लेकिन उसका अर्थ केवल नागरिकों से पानी बचाने की अपील करना नहीं हो सकता। किसान, मछुआरे, आदिवासी समुदाय और नदी किनारे रहने वाले लोग पानी के सबसे प्रत्यक्ष हितधारक हैं। उन्हें जल संबंधी निर्णयों में भी भागीदार बनाना होगा।

इसी जनभागीदारी की एक महत्वपूर्ण तस्वीर दिल्ली के भारत मंडपम में देखने को मिली। उद्घाटन समारोह में छिंदवाड़ा जिले के एक छोटे से गांव की आदिवासी जल सहेली रामकुमारी को संबोधन का अवसर मिला। भारत सहित दुनिया के विभिन्न देशों से आए करीब दस हजार प्रतिनिधियों के बीच उनका बोलना जल सहेलियों की यात्रा का एक महत्वपूर्ण क्षण था। यह केवल किसी एक महिला को मंच मिलने की घटना नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत है कि जल संरक्षण की स्थानीय आवाज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जल संचालक का हिस्सा बन सकती है।

बुंदेलखंड से शुरू हुआ जल सहेली अभियान आज देश के कई राज्यों में अपने अनुभव और मॉडल को साझा कर रहा है। गांव की महिलाओं का जल संरक्षण और जल प्रबंधन में यह नेतृत्व बताता है कि पानी की समस्या का समाधान केवल विशेषज्ञ संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में नहीं मिलेगा। जिन महिलाओं का रोजमर्रा का जीवन पानी जुटाने, बचाने और उसके बदलते स्रोतों के साथ जुड़ा है, उनके अनुभव में भी जल नीति के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान है। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, जल शक्ति मंत्रालय की सचिव अर्चना वर्मा सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और देश-विदेश से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बुंदेलखंड से भारत तक जल सहेलियों की आवाज राष्ट्रीय मंच तक पहुंची है।

अगला सवाल यह है कि क्या यह आवाज नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भी लगातार सुनी जाएगी। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सहाह में अपने अनुभव दुनिया के सामने रख रहा है और दूसरे देशों के अनुभवों से सीख रहा है। यह जरूरी है। लेकिन ऐसे आयोजनों की असली परीक्षा सम्मेलन कक्ष के बाहर होगी। क्या गांव के सूखते कुएं तक कोई नई नीति पहुंचेगी? क्या शहर के तालाब बचेगे? क्या भूजल का गिरना रुकेगा? क्या बाढ़ के पानी को विनाश के बजाय पुनर्भरण में बदला जा सकेगा? क्या किसान केवल पानी का दोबारा इस्तेमाल आने वाले समय में आवश्यक होगा। लेकिन पुनर्चक्रण के साथ गुणवत्ता, निगरानी और पारदर्शिता भी जरूरी है। केवल पुनर्चक्रण की घोषणा से पानी नहीं बचाए; यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उपचारित जल सुरक्षित हो और निर्धारित

हमारी आदत बनेगी? पानी बचाने की अपील में नल बंद करने की बात जरूरी है। उपराष्ट्रपति ने रोजमर्रा की

रथ के रंग से निकली सियासत की बड़ी लड़ाई

उत्तर प्रदेश की आगामी 2027 की सियासत में चुनावी रणभेरी अभी पूरी तरह बजी भी नहीं है, लेकिन राजनीतिक तीर-कमान निकल चुके हैं। समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति और बहुजन समाज पार्टी के सर्वजन संदेश के बीच खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। बसपा की सुप्रीमो सुश्री मायावती ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए जिस तरह पीडीए रथ के रंग को राजनीतिक सवाल बना दिया है, उससे साफ है कि आने वाले चुनाव में लड़ाई केवल सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं रहने वाली। असली जंग सामाजिक समीकरणों, वोट बैंक और राजनीतिक नैरेटिव पर भी होगी।

सौरभ वार्धपेय

मायावती ने सवाल उठाया है कि सपा का पीडीए रथ अपने पारंपरिक लाल रंग से कम और भाजपा-आरएसएस के भगवा रंग से अधिक प्रभावित क्यों नजर आ रहा है। उनके शब्दों में यह सवाल महज रंग का नहीं, बल्कि राजनीति के बदलते रंग का है। मायावती ने इसे सपा की वोट की राजनीति से जोड़ते हुए यह तक पूछ दिया कि क्या अखिलेश यादव का मुस्लिम मतदाताओं पर पहले जैसा भरोसा नहीं रहा?

सियासत में प्रतीकों की अपनी ताकत होती है। झंडे का रंग हो या चुनावी रथ, नारा हो या यात्रा हर चीज मतदाता तक एक राजनीतिक संदेश पहुंचाती है। लेकिन राजनीति के रंगों को सीधे वैचारिक बदलाव का प्रमाण मान लेना भी जल्दबाजी होगी। किसी प्रचार वाहन का रंग अपने आप में किसी दल की नीति, विचारधारा या चुनावी रणनीति का निर्णायक प्रमाण नहीं बन जाता। फिर भी मायावती ने जिस मुद्दे को उठाया है, उसकी राजनीतिक अहमियत इसलिए है क्योंकि उन्होंने रंग के बहाने सीधे सपा के सामाजिक समीकरण पर निशाना साधा है।

अखिलेश यादव की राजनीति में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक समूहों का गठजोड़ एक प्रमुख राजनीतिक सूत्र के रूप में सामने आया है। समाजवादी पार्टी इस सामाजिक समीकरण को भाजपा के मुकाबले एक वैकल्पिक राजनीतिक धुरी के रूप में पेश करती रही है। मायावती का सवाल इसी धुरी की विश्वसनीयता पर है। वह पूछ रही है कि आखिर पीडीए की जमीन पर सपा का वास्तविक सामाजिक आधार कितना

मजबूत है और उसमें दलितों तथा अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी किस रूप में है?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट लंबे समय से बसपा की केंद्रीय राजनीतिक ताकत रहे हैं। यदि कोई दूसरा दल दलितों को अपने सामाजिक गठजोड़ का हिस्सा बनाने की कोशिश करता है तो स्वाभाविक रूप से बसपा के लिए यह राजनीतिक चुनौती बनती है। मायावती का हमला इसी चुनौती का जवाब भी माना जा सकता है। मायावती ने मुस्लिम मतदाताओं का भी विशेष उल्लेख किया है। उनका तर्क है कि यदि मुस्लिम समाज ने पिछले मुस्लिम मतदाताओं का भी विशेष उल्लेख किया है। उनका तर्क है कि यदि मुस्लिम समाज ने पिछले मुस्लिम मतदाताओं को अपने राजनीतिक विकल्प पर विचार करना चाहिए। यह तर्क सीधे उस धारणा को चुनौती देता है कि मुस्लिम मतदाता स्वाभाविक रूप से सपा के साथ रहेगा। लेकिन यहां भी चुनावी राजनीति का एक पुराना सच सामने आता है। कोई भी वोट बैंक स्थायी नहीं होता। मतदाता किसी दल के साथ हमेशा के लिए बंधा नहीं होता। परिस्थितियां बदलती हैं, मुद्दे बदलते हैं और राजनीतिक समीकरण भी बदलते हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और सामाजिक रूप से विविध राज्य में जाति, समुदाय, स्थानीय प्रचर्या, सरकार का प्रदर्शन, राष्ट्रीय मुद्दे और चुनावी गठबंधन सभी मिलकर मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं।इसलिए मायावती का मुस्लिम मतदाताओं को दिया गया संदेश केवल सपा पर हमला नहीं है। वह बसपा की

ओर से राजनीतिक विकल्प का दरवाजा खोलने की कोशिश भी है।

मायावती ने अपने बयान में ऊंची जातियों, खासकर ब्राह्मण समाज के बीच भी बसपा के पक्ष में रझान बढने का दावा किया है। यह दावा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि बसपा की राजनीति का एक बड़ा अध्याय सामाजिक इंजीनियरिंग से जुड़ा रहा है। दलित आधार के साथ ब्राह्मण और अन्य सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयोग उत्तर प्रदेश की राजनीति में पहले भी महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में मायावती का यह दावा बताता है कि बसपा एक बार फिर व्यापक सामाजिक गठबंधन की संभावना तलाश रही है।लेकिन दावे और जमीनी की हकीकत में अंतर होता है। किसी सामाजिक समूह के राजनीतिक रझान में बदलाव का अंतिम प्रमाण चुनाव परिणाम या विश्वसनीय सर्वेक्षण ही दे सकते हैं। चुनाव से पहले किए गए राजनीतिक दावे स्वाभाविक रूप से अपने-अपने दलों के हित और रणनीति से जुड़े होते हैं। मायावती का दूसरा महत्वपूर्ण हथियार कानून-व्यवस्था का मुद्दा है। उन्होंने अपने शासनकाल को अपराध नियंत्रण, शांति-व्यवस्था और कानून के राज से जोड़ते हुए कहा है कि बसपा ऐसी सरकार का अनुभव पहले दे चुकी है। यह कोई नया राजनीतिक तर्क नहीं, बल्कि बसपा के चुनावी विमर्श का पुराना और महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कानून-व्यवस्था हमेशा बड़ा चुनावी मुद्दा रही है। अलग-अलग सरकारों अपने कार्यकाल को लेकर अलग-अलग

दावे करती रही हैं और विपक्ष उनके दावों को चुनौती देता रहा है। ऐसे में चुनावी बहस का वास्तविक आधार यह होना चाहिए कि सरकारों के कार्यकाल में अपराध, पुलिस व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया, निवेश, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े ठेस आंकड़े क्या कहते हैं। मायावती का सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का संदेश इसी प्रशासनिक दावे के साथ जुड़ा हुआ है। वह बसपा को केवल दलित राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहती। उनका कहना है कि पार्टी समाज के सभी वर्गों के लिए रोटी, रोजगार, सम्मान और स्वाभिमान की राजनीति करती है।

एक तरफ सपा का पीडीए है, जो पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक राजनीतिक छतरी के नीचे लाने की कोशिश करता है। दूसरी तरफ बसपा का सर्वजन संदेश है, जो सामाजिक दायरे को व्यापक बनाने की बात करता है। दोनों ही रणनीतियों की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करेगी कि वे जमीन पर कितने मतदाताओं को अपने साथ जोड़ पाती हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पुराने सामाजिक समीकरण अपने पुरानी शक्ल में काम रहे या मतदाताओं का नया पुनर्संयोजन होगा? मायावती का बयान इस संभावित पुनर्संयोजन की ओर संकेत करता है। वह सपा के उस दावे को चुनौती दे रही है कि पीडीए उसके लिए व्यापक सामाजिक समर्थन का आधार बन सकता है। साथ ही वह मुस्लिम मतदाताओं को वह संदेश दे रही है कि बसपा उनके सामने एक अलग राजनीतिक विकल्प है। इसी क्रम में ब्राह्मण और अन्य सर्वर्ण समूहों का उल्लेख करके

वह अपने सामाजिक आधार को व्यापक बनाने की कोशिश का संकेत भी देती है। इस पूरी कवायद में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब केवल कौन किसके साथ है का सवाल नहीं है। उससे बड़ा सवाल है ? कौन किस सामाजिक समूह को किस राजनीतिक भाषा में अपने साथ जोड़ सकता है?

पीडीए बनाम सर्वजन का यह विमर्श आने वाले चुनावी माहौल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक टकराव बन सकता है। लेकिन इसका जवाब नारों से नहीं मिलेगा। इसका जवाब उम्मीदवारों के चयन, संगठन की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों और अंततः मतदाताओं के फैसले में मिलेगा। मायावती ने दलितहाल में अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है। उन्होंने पीडीए की वास्तविकता पर सवाल किया है, मुस्लिम मतदाताओं के बीच सपा की पकड़ को चुनौती दी है और अपने शासन के रिकॉर्ड को फिर बहस में खड़ा किया है। अब देखना यह होगा कि समाजवादी पार्टी इस हमले का जवाब किस राजनीतिक भाषा में देती है। कुल मिलाकर, पीडीए रथ का रंग भले ही इस राजनीतिक विवाद का तत्काल कारण बना हो, लेकिन असली लड़ाई रंगों की नहीं, वोट के सामाजिक रंगमंच की है। लाल, भगवा और नीला ये सभी उत्तर प्रदेश की राजनीति में केवल रंग नहीं, बल्कि अलग-अलग राजनीतिक पहचानों और दावों के प्रतीक हैं। चुनावी मैदान में असली परीक्षा इन प्रतीकों की नहीं, बल्कि उन सामाजिक गठबंधनों की होगी जिन्हें ये प्रतीक अपने पीछे खड़ा करने में सफल होते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़ में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

शहीद भगत सिंह चौक से गांधी चौक तक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया श्रमदान, स्वच्छ एवं सुंदर शहर का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ शहर में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया अभियान के दौरान शहीद भगत सिंह चौक, जैन मंदिर, राम मंदिर एवं गांधी चौक सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई की गई जिला प्रशासन नगर पालिका, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया और नागरिकों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया स्वच्छता अभियान में जिले की कलेक्टर सुश्री रंजन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिंदर, एसडीएम लिंगराज सिंदर, डिटी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेष्ट पटवा सहित जनप्रतिनिधियों जिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई इस दौरान सुशीला सिंह, माया सोनकर, दयाशंकर यादव, सपन महतो,



उर्मिला जायसवाल, किशन कुजुर, नीलू जायसवाल, ओम प्रकाश जायसवाल, जमील शाह, सुनेना विश्वकर्मा, राम लखन शर्मा, अखिलेश मिश्रा, अलका गांधी, मनप्रीत कौर, हीरलाल रजक एवं विधायक प्रतिनिधि महेंद्र पाल सिंह एवं पूर्व परिषद सरजू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया अभियान के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्वयं सफाई कार्य में भाग लेकर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग

की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के सामूहिक दायित्व से जुड़ा विषय है। प्रमुख चौक-चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई करते हुए कचरा एवं अनुपयोगी सामग्री हटाई गई तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया गया स्वच्छता अभियान के दौरान नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने, कचरे का उचित निस्तारण करने तथा अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया गया लोगों से यह भी अपील की गई कि वे स्वच्छता को केवल अभियान



तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं स्वच्छ वातावरण का सीधा संबंध बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से है इसी उद्देश्य से अभियान के दौरान साफ-सफाई के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूकता पर भी जोर दिया गया सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न करने कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने तथा आसपास पानी और कचरा जमा नहीं होने देने के लिए लोगों को जागरूक किया गया अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ शहर की पहचान केवल साफ सड़कों और चौक-चौराहों से नहीं होती, बल्कि

नागरिकों की स्वच्छता के प्रति आदत और जिम्मेदारी से भी होती है जब प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर स्वच्छता के प्रति सजग होगा तभी स्वच्छता का यह प्रयास स्थायी परिणाम देगा सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा के कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ना और समाज में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है इसी कड़ी में स्वच्छता अभियान के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों तक सभी ने एक साथ श्रमदान किया अभियान में विभिन्न वर्गों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि

स्वच्छता किसी एक व्यक्ति, संस्था या विभाग का कार्य नहीं, बल्कि पूरे समाज का साझा संकल्प है। प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ नागरिकों की भागीदारी जुड़ने से स्वच्छता अभियान को व्यापक और स्थायी स्वरूप दिया जा सकता है मनेन्द्रगढ़ के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित स्वच्छता अभियान ने शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान के माध्यम से नागरिकों से अपील की कि वे अपने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाएं अपने सक्रिय भागीदारी निभाएं जिला प्रशासन का प्रयास है कि स्वच्छता, जनभागीदारी और सेवा भावना को आपस में जोड़कर जिले में सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाए सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह स्वच्छता गतिविधि इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही जिसमें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने स्वयं आगे आकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश दिया।

परचून की दुकान की आड़ में गांजा बेचने का आरोप, 52 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बैराड़ थाना पुलिस ने परचून की दुकान की आड़ में गांजा बेचने के आरोप में 52 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी की दुकान से 1 किलो 138 ग्राम गांजा और 3,730 रुपए नकद बरामद किए हैं जब गांजे और नकदी की कुल कीमत करीब 23,730 रुपए बताई गई है बैराड़ थाना प्रभारी सुरेश शर्मा के अनुसार गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड नंबर-6 निवासी मातादीन शर्मा अपनी परचून की दुकान से गांजे की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दुकान पर दबिश दी। मौके पर मिले व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम मातादीन पुत्र कमरलाल शर्मा, निवासी वार्ड नंबर-6 बैराड़ बताया पुलिस ने दुकान की तलाशी ली

तो एक प्लास्टिक के कट्टे में सूखा गांजा मिला। वजन करने पर गांजे की मात्रा 1 किलो 138 ग्राम निकली। तलाशी के दौरान दुकान से 3,730 रुपए नकद भी बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह पोहरी निवासी भल्लू बाबा गोस्वामी से करीब 12 हजार रुपए प्रति किलो की दर से गांजा खरीदकर लाता था इसके बाद इसे 18 से 20 हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचने का दावा किया गया है पुलिस अब आरोपी द्वारा बताए गए कथित सत्यापन भल्लू बाबा गोस्वामी की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में अवैध गांजे की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत, सहयोग - मेरा योगदान: रक्तदान से मातृत्व सुरक्षा तक पहुंचा सेवा का संकल्प

17 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के रक्तदान का मिला लाभ, गंभीर एनीमिया से जूझ रही बी-पॉजिटिव महिला के उपचार में उपलब्ध हुआ रक्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सहयोग-मेरा योगदान' केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी के काम आने की भावना है सेवा संकल्प अभियान के द्वितीय चरण के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रक्तदान कर इसी भावना को आगे बढ़ाया अभियान के दौरान किया गया यह रक्तदान कुछ दिनों बाद एक जरूरतमंद महिला के उपचार में उपयोगी साबित हुआ स्वास्थ्य विभाग से संबंधित दस्तावेजों के अनुसार 26 वर्षीय बी-पॉजिटिव रक्त समूह की महिला गंभीर एनीमिया से जूझ रही थी उसका हीमोग्लोबिन स्तर करीब 5 ग्राम बताया गया है और उपचार के लिए दो यूनिट रक्त की आवश्यकता दर्ज थी संबंधित



महिला के लिए तत्काल उपयुक्त डोनर उपलब्ध नहीं हो पाने की स्थिति में पूर्व में उपलब्ध रक्त का उपयोग उपचार के लिए किया गया 17 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान महादान कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वयं रक्तदान किया था। उस समय रक्तदान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की

उपलब्धता में योगदान देना और समाज में स्वीच्छक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था कुछ दिनों बाद इसी पहल का लाभ एक जरूरतमंद महिला तक पहुंचा महिला के लिए तत्काल डोनर उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में उपलब्ध रक्त उपचार के काम आया किया गया छोटे-सा योगदान भविष्य में किसी अनजान व्यक्ति

के लिए बड़ा सहाय बन सकता है स्वास्थ्य विभाग के दस्तावेजों में महिला का रक्त समूह बी पॉजिटिव दर्ज है तथा उपचार के लिए दो यूनिट रक्त की आवश्यकता अंकित थी। गंभीर एनीमिया की स्थिति में समय पर रक्त की उपलब्धता उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रही। उपलब्ध रक्त का उपयोग महिला के उपचार में किया गया इस तरह 17 सितंबर को किया गया रक्तदान केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जरूरत के समय स्वास्थ्य सेवा की प्रक्रिया का हिस्सा बनकर एक मरीज तक पहुंचा रक्तदान की विशेषता यही है कि रक्तदाता अक्सर यह नहीं जानता कि उसके द्वारा दिया गया रक्त भविष्य में किस जरूरतमंद पहुंचेगा फिर भी वह इस भावना के साथ अपना योगदान देता है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत एमसीबी के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गूंजा योग का संदेश

जिलेभर में एक साथ आयोजित हुए योग एवं ध्यान सत्र, ग्रामीणों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का लिया संकल्प



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य और जनकल्याण को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है इसी क्रम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत 23 सितंबर को जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में एक साथ योग एवं ध्यान सत्रों का



आयोजन किया गया जिला प्रशासन के निर्देश एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से आयोजित इस अभियान में ग्रामीण, शहरी एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल एवं जिला नोडल अधिकारी

आयुष्मान आरोग्य मंदिर अवनीश पाण्डेय के प्रबंधन में जिलेभर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योग एवं ध्यान के सत्र आयोजित किए गए। सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधकों के समन्वय से केंद्र स्तर पर आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई गांव-गांव पहुंचा योग, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ी जागरूकता सुबह से ही मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और भरतपुर क्षेत्र के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति देखने को मिली स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया नियमित योग के माध्यम से स्वस्थ एवं निरोगी जीवनशैली अपनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया गया इस दौरान लोगों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों से बचाव में स्वस्थ जीवनशैली और नियमित योग के महत्व की जानकारी दी गई।

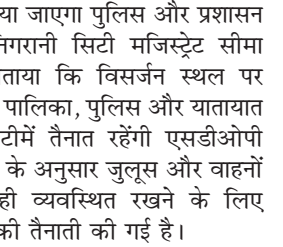
हर्बल पार्क किनारे कृत्रिम कुंड में होगा गणपति विसर्जन कलेक्ट्रेट से हर्बल पार्क तक वन-वे रूट, शहर में छह स्थानों पर बनाए गए मूर्ति कलेक्शन सेंटर



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार को गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्बल पार्क घाट के किनारे बनाए गए कृत्रिम कुंड में किया जाएगा नर्मदा का जलस्तर कम होने के कारण इस बार घाट पर बड़े पक्के कुंड में विसर्जन की व्यवस्था की गई है कुंड की सफाई के बाद करीब 10.5 फीट तक

गहरीकरण किया गया है और इसे नर्मदा के पानी से भरा जा रहा है विसर्जन के दौरान कलेक्ट्रेट गेट से हर्बल पार्क गेट और फॉरस्ट ऑफिस के सामने का मार्ग वन-वे रहेगा प्रतिमाएं लेकर आने वाले वाहन कलेक्ट्रेट गेट के पास से फॉरस्ट ऑफिस होते हुए कुंड तक पहुंचेंगे, जबकि विसर्जन के बाद खाली वाहन हर्बल पार्क गेट से तवा भवन होकर वापस लौटेंगे। हालांकि, इस मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क खराब और गड्ढे होने से वाहन चालकों को सावधानी बरतनी होगी रात में प्रकाश व्यवस्था भी की गई है छह स्थानों पर कलेक्शन सेंटर सीएमओ वैभव देशमुख के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर में छह स्थानों पर मूर्ति कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं इनमें आजाद चौक ग्वालटोली, एसपीएम गेट नंबर-4 रसूलिया, हरियाली चौक, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, काली मंदिर सतरस्ता और चक्कर रोड मालाखेड़ी शामिल हैं इन केंद्रों से प्रतिमाओं को एकत्र कर कृत्रिम कुंड में

विसर्जित किया जाएगा पुलिस और प्रशासन की रहेगी निगरानी सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले ने बताया कि विसर्जन स्थल पर राज्यस्, नगर पालिका, पुलिस और यातायात विभाग की टीमें तैनात रहेंगी एसडीओपी जितेंद्र पाठक के अनुसार जुलूस और वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है।



अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ता कमर्जी, सोलर हाई मास्ट से रोशन हुआ आश्रम परिसर सूरज की ऊर्जा से जगमगाया कमर्जी, 5.38 लाख रुपये की लागत से मिली रातभर रोशनी की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कभी रात होते ही अंधेरे में डूब जाने वाला भरतपुर विकासखंड का दूरस्थ वनांचल क्षेत्र अब सौर ऊर्जा की रोशनी से जगमगा रहा है जिला प्रशासन की पहल से आदिवासी बालक आश्रम कमर्जी में प्रकाश व्यवस्था को नई रोशनी मिली है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 5.38 लाख रुपये की लागत से एक नग सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किया गया है सौर ऊर्जा से संचालित इस हाई मास्ट के शुरू होने से आश्रम परिसर में रातभर पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध रहने लगा है इस सुविधा से आश्रम में रहकर अध्ययन करने वाले छात्रों को अंधेरे से राहत मिली है। रात के समय परिसर में आवागमन आसान होने के साथ सुरक्षा और सुविधा का बेहतर वातावरण तैयार हुआ है।



दूरस्थ क्षेत्र में मिली यह सुविधा विकास की उस रोशनी का प्रतीक बन गई है जो शहरों तक सीमित न रहकर वनांचल के अंतिम छोर तक पहुंच रही है आदिवासी बालक आश्रम कमर्जी जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर दुर्गम एवं वनांचल क्षेत्र में स्थित है। भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद

यहां रहने वाले बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में आश्रम परिसर में प्रकाश व्यवस्था को मजबूत करने के लिए डीएमएफ मद से सोलर हाई मास्ट की स्थापना की गई। क्रियान्वयन एजेंसी क्रेड के माध्यम से स्थापित यह संयंत्र दूरस्थ

क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है सोलर हाईमास्ट की स्थापना के बाद आश्रम परिसर में रात के समय प्रकाश की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध हो गई है। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी सौर ऊर्जा आधारित यह व्यवस्था छात्रों के लिए रोशनी का भरोसा बनी हुई है हाई मास्ट अपने आसपास के लगभग 50 मीटर तक के क्षेत्र को रोशन करता है इससे आश्रम परिसर में रात के समय आवागमन, परिसर की निगरानी और आवश्यक गतिविधियों के लिए पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध हो गया है आश्रम के अधीक्षक एवं छात्रों के अनुसार सोलर हाईमास्ट लगने के बाद रात के समय पूरे परिसर में पर्याप्त रोशनी रहने लगी है।

अमरकंटक रेल कनेक्टिविटी के लिए सर्वे की मांग विधायक ओमकार मरकाम ने रेल मंत्री को लिखा पत्र, पेंड्र रोड से गोटेगांव तक रेल कॉरिडोर का प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अमरकंटक सहित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग तेज हो गई है डिंडोरी विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमकार सिंह मरकाम ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर 'नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर' के फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया है विधायक के अनुसार प्रस्तावित रेल कॉरिडोर पेंड्र रोड से शुरू होकर अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, संसोर, लखनादौन होते हुए गोटेगांव/श्रीधाम तक जाएगा इससे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल एवं वनांचल क्षेत्रों को रेल सुविधा से जोड़ने की दिशा में काम आगे बढ़ सकता है मरकाम ने पत्र में कहा कि रेल कनेक्टिविटी मिलने से अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला सहित संबंधित क्षेत्रों में

सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों विद्यार्थियों, मरीजों और पर्यटकों को भी आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है अमरकंटक को सीधी रेल सुविधा नहीं अमरकंटक धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन वर्तमान में यहां सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सड़क मार्ग से आवागमन करना पड़ता है प्रस्तावित कॉरिडोर से क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने की बात कही गई है विधायक ने अपने पत्र में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के 9 जुलाई 2026 के पत्र का भी उल्लेख किया है उन्होंने रेल मंत्री से फाइनल लोकेशन सर्वे को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की है ताकि प्रस्तावित परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हो सके।



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्यारहवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय महाविद्यालय जनकपुर में

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आयुर्वेद की मूल अवधारणा, इसके महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली में आयुर्वेद की

उपयोगिता से अवगत करना रहा कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से

जागरूकी साझा की कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद क्या है राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाने का उद्देश्य, मानसिक स्वास्थ्य, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या सहित आयुर्वेद से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए केवल उपचार पर निर्भर रहने के बजाय स्वस्थ जीवनशैली और नियमित दिनचर्या को अपनाना भी महत्वपूर्ण है संतुलित खान-पान, पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, योग एवं प्राणायाम तथा ऋतु के अनुरूप जीवनशैली अपनाने से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है मानसिक स्वास्थ्य और योग पर भी हुई चर्चा

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी विशेष रूप से चर्चा का विषय बनाया गया विशेषज्ञों ने तनावपूर्ण परिस्थितियों में स्वयं को संतुलित रखने, नियमित दिनचर्या अपनाने तथा शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली विकसित करने के संबंध में जानकारी दी प्राणायाम और सूर्य नमस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इनके नियमित अभ्यास से होने वाले सामान्य लाभों के बारे में बताया गया। इसी तरह दिनचर्या और ऋतुचर्या के माध्यम से मौसम एवं दैनिक जीवन के अनुरूप खान-पान और व्यवहार में आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी अच्छी आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम को रोचक एवं संवादात्मक बनाने के लिए विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इसमें विद्यार्थियों ने आयुर्वेद, योग, स्वास्थ्य एवं जीवनशैली से जुड़े प्रश्नों में उत्साहपूर्वक भाग लिया विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने सरल भाषा में उत्तर देते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों को आयुर्वेद के व्यावहारिक पक्षों को समझने और कार्यक्रम में दी गई जानकारी को दोहराने का अवसर मिला।

संक्षिप्त समाचार

सागर गोल्ड शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बोरी में भरकर ले जा रहा था शराब, पुलिस ने पकड़ा तो बोला- ठेकेदार ने बेचने के लिए दी थी



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।

सागर की रहली थाना पुलिस ने अवैध शराब ले जाते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से छष्ट्रक सागर गोल्ड ग्रेन व्हिस्की के 80 पाव जब्त किए गए हैं। शराब की मात्रा 14 लीटर बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने शराब देने वाले ठेकेदार का नाम बताया है। सुनार नदी पुल के पास पकड़ा पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुनार नदी पुल के पास मादरा रोड रहली पर एक व्यक्ति बोरी में अवैध शराब लेकर खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। मौके से अजय पिता पुरुषोत्तम पटेल (32) निवासी रहली को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से DCR सागर गोल्ड ग्रेन व्हिस्की के 80 पाव मिले। पुलिस ने शराब जब्त कर ली। पूछताछ में ठेकेदार का नाम बताया पुलिस आरोपी को थाने लेकर आई और पूछताछ की। अजय पटेल ने बताया कि शराब ठेकेदार मनोज पटेल ने उसे बिक्री के लिए शराब उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने मिली जानकारी के आधार पर शराब ठेकेदार मनोज पटेल के खिलाफ धारा 42 आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। मामले की जांच जारी है। इसी बांड की शराब से हुई 36 मौतें सितंबर 2026 में सागर जिले में कथित जहरीली और मिलावट शराब पीने से कई लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में ‘सागर गोल्ड’ नाम की शराब भी जांच के दायरे में आई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि नकली शराब को असली बांड जैसा दिखाकर बेचने का नेटवर्क चल रहा था। मामले की जांच में मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश तक शराब की सप्लाई का कनेक्शन सामने आया।

रतलाम में तीन बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।

रतलाम में तीन बच्चियों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने बच्चियों के प्राइवेट पार्ट को टच किया। एक बच्ची का हाथ पकड़ा और दूसरी के गाल पर किस किया। घटना के समय बच्चियां घर पर अकेली थीं। जानकारी मिलने पर परिजनों ने स्टेशन रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई। घटना 20 सितंबर की है। पुलिस ने आरोपी मोहन उर्फ चिट्टू निवासी जय भारत नगर के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 333 और पाँचसौ एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। बुधवार दोपहर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद आरोपी को पैदल कोर्ट ले जाकर पेश

मंदसौर में 5 दिन से बारिश नहीं, तापमान 34 पहुंचा

दो दिन बाद हल्की बौछार के आसार, गांधीसागर जलस्तर भी 8.90 फीट नीचे

मंदसौर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले कुछ दिनों की बारिश के बाद अब मौसम बदल गया है। बीते शुक्रवार और शनिवार को हुई बारिश के बाद रविवार से गुरुवार तक लगातार पांच दिन जिले में बरसात नहीं हुई। आज (गुरुवार) सुबह से आसमान में बादल छाए रहने के बावजूद बारिश नहीं हुई, जिससे फिलहाल बारिश पर रोक लग गई है। दिन के तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को बारिश की संभावना कम है। शुक्रवार को आंशिक बादल रहेंगे, जबकि 26 सितंबर को हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। भू-संसाधन प्रबंधन विभाग की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के मुताबिक, 24 सितंबर तक जिले में औसत 750.8 मिमी यानी 29.56 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी समय तक 855.7 मिमी यानी 33.69 इंच बारिश हुई थी। इस साल अब तक 104.9

मिमी यानी 4.13 इंच कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य वार्षिक औसत बारिश 826.5 मिमी है। इसकी तुलना में अभी 75.7 मिमी बारिश कम हुई है।

● मल्हारगढ़ में सबसे ज्यादा बरसात रिकॉर्ड 24 सितंबर तक मल्हारगढ़ में जिले में सबसे ज्यादा 919 मिमी बारिश दर्ज हुई है। इसके बाद धुंधड़का में 845 मिमी, शामगढ़ में 809 मिमी, सुवासरा में 800.3 मिमी, गरोठ में 799.6 मिमी, मानपुरा में 760.6 मिमी, सीतामऊ में 739.3 मिमी, मंदसौर में 725 मिमी, भानपुरा में 708.2 मिमी, कयामपुर में 637.5 मिमी और संजौत में सबसे कम 526 मिमी बारिश दर्ज की गई है। ● 26 सितंबर के बाद तापमान में मामूली गिरावट मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 24 और 25 सितंबर को दिन का तापमान 33 से 34 डिग्री के आसपास रहेगा। 26 सितंबर के बाद तापमान में मामूली गिरावट आने की संभावना है। 27 और 28 सितंबर को अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास रह सकता है। फिलहाल जिले में लगातार तेज बारिश वाला दौर दिखाई नहीं दे रहा है। अगले पांच दिनों में बारिश की सबसे प्रमुख संभावना 26 सितंबर को है। इसके बाद 27 से 29 सितंबर के बीच मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने का अनुमान है। ● गांधीसागर बांध का जलस्तर 1302.30 फीट गुरुवार को गांधीसागर बांध का जलस्तर 1302.30 फीट दर्ज किया गया। पिछले साल 24 सितंबर को बांध का जलस्तर 1311.20 फीट था। यानी पिछले साल की इसी तारीख की तुलना में इस बार जलस्तर 8.90 फीट कम दर्ज किया गया है।
--

सागर में मिलावट के खिलाफ खाद्य विभाग की कार्रवाई

शाहगढ़- दलपतपुर में नमकीन, टोस्ट और तेल के सैंपल लिए, एक साल का क्रय-विक्रय रिकॉर्ड मांगा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में मिलावट के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को शाहगढ़ तहसील क्षेत्र के अलग-अलग कस्बों और प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने खाद्य पदार्थों की जांच कर नमूने लिए और दुकानदारों से जरूरी दस्तावेज भी मांगे। कार्रवाई के दौरान हीरापुर बस स्टैंड स्थित दीपक असाटी के प्रतिष्ठान से नमकीन के सैंपल लिए गए। इसके बाद शाहगढ़ में अभय किराना का निरीक्षण कर लोकल ब्रांड के टोस्ट के नमूने लिए गए।

दलपतपुर में रिफाइंड सोयाबीन तेल का सैंपल: खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम इसके बाद दलपतपुर पहुंची। यहां सुरेंद्र जैन के प्रतिष्ठान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। टीम ने प्रतिष्ठान से रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लिया और जांच के लिए भेजा। देर शाम टीम द क्राउन पैलेस पहुंची। यहां किचन और

▶▶ एक साल का क्रय-विक्रय रिकॉर्ड मांगा

खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह ने बताया कि संबंधित व्यापारियों और प्रतिष्ठान संचालकों को पिछले एक वर्ष के क्रय-विक्रय से जुड़े सभी रिकॉर्ड संधारित कर सक्षम अधिकारियों के सामने पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाई में लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि जिले में मिलावट के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नर्मदापुरम दोपहर में धूप निकली शाम को बारिश

उमस बरकरार, 24-25 सितंबर को भारी बारिश की संभावना

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में बुधवार को दिनभर मौसम बदलता रहा। कभी तेज धूप निकली तो कभी बारिश हुई। सुबह से ही यह स्थिति बनी रही। इसके बावजूद गर्मी और उमस से लोगों को राहत नहीं मिली। चिर्पाचपाती गर्मी से लोग परेशान रहे।

तेज बारिश के बाद शहर की सड़कें पानी से भर गईं। कई जगह पानी जमा हो गया। आसमान में काले बादल भी छाए रहे। मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। 24 और 25 सितंबर को भारी बारिश की संभावना है।

पिछले साल से 20.15 इंच कम बारिश: इस मानसून सीजन में जिले में पिछले साल की तुलना में कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 23 सितंबर तक जिले में 32.39 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 52.54 इंच बारिश हुई थी। इस साल अब तक पिछले साल की तुलना में 20.15 इंच कम बारिश हुई है।

बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र: मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि बंगाल की खाड़ी की ओर बने कम दबाव के क्षेत्र के आगे बढ़ने से प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में सितंबर के अंत तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। उन्होंने बताया कि जम्मू की ओर से पश्चिमी विक्षोभ बना है। दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवाती घेरा भी बन रहा है। इसके अंसर से 24 और 25 सितंबर को भारी बारिश की संभावना है।

14 साल की बच्ची से दो युवकों ने किया दुष्कर्म

पेट में दर्द उठने पर अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन, पूछताछ में रेप की बात सामने आई

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के रहली में नाबालिग के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म किया। मामला सामने आते ही परिजन थाने पहुंचे और शिकायत की। शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, 14 वर्षीय नाबालिग अपने दादा-दादी के साथ रहती थी। कुछ महीने पहले ही माता-पिता के पास लौटी। इसी दौरान नाबालिग की तबीयत बिगड़ने लगी। पेट में दर्द उठा। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां नाबालिग के गर्भवती होने की बात सामने आई। परिजन पीड़िता के साथ मंगलवार को थाने पहुंचे और शिकायत की। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपी आलीशान और एक अन्य युवक करीब दो साल से उसका शोषण कर रहे थे। किशोरी का आरोप है कि जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे डराया-धमकाया और जान से मारने की धमकी दी।

भाई के साथ मारपीट की थी: पीड़िता ने एक बार अपने भाई को भी पूरी घटना की जानकारी दी थी। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसके भाई के साथ भी मारपीट की। मामला सामने आने के बाद पीड़िता के परिवार ने हिंदू संगठनों से संपर्क किया। संगठन के कार्यकर्ता पीड़िता और उसके परिजनों को लेकर महिला थाना पहुंचे। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया महिला थाना प्रभारी संतोषी कनासिया ने बताया कि नाबालिग के बयानों के आधार पर आलीशान खान और एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रहे हैं।

बुरहानपुर में अब तक 30.5 इंच बारिश

पिछले साल से 1 इंच ज्यादा, अगले दो दिन बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में इस साल 1 जून से अब तक 30.5 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले साल की इसी अवधि से करीब 1 इंच ज्यादा है। बुधवार शाम हुई 15 मिमिट की बारिश से मौसम ठंडा हो गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में भी अच्छी बारिश की संभावना जताई है।

सामान्य बारिश का आंकड़ा 823.6 मिमी: जिले

में इस साल अब तक 775.2 मिमी बारिश हुई है। जिले की सामान्य औसत बारिश 823.6 मिमी है। बारिश नहीं होने के दौरान जिले में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। पिछले साल 1 जून से इसी अवधि तक 29.6 इंच बारिश हुई थी। इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 30.5 इंच हो गया है।

नेपानगर में सबसे ज्यादा, खकनार में सबसे कम: तहसीलवार आंकड़ों के मुताबिक, बुरहानपुर तहसील में 1 जून से अब तक 785.5 मिमी बारिश हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 632.3 मिमी बारिश हुई थी। नेपानगर में इस साल 1004.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल 1008.5 मिमी हुई थी। धुलकोट में अब तक 876.3 मिमी बारिश हुई है। पिछले साल यह आंकड़ा 758.2 मिमी था।

खकनार में इस साल अब तक 431.4 मिमी बारिश हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 885.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

नर्मदापुरम में कांस्टेबल पर महिला ने रेप का आरोप लगाया

उधार लिए गहने वापस करने के बहाने घर बुलाकर किया दुष्कर्म, आरोपी सरपंच

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में 37 साल की महिला ने पुलिस विभाग में पदस्थ कांस्टेबल सोमिल सक्सेना पर रेप का आरोप लगाया है। कोतवाली थाने में मंगलवार देर रात आरोपी के खिलाफ रेप की धाराओं में केस दर्ज किया गया। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कांस्टेबल सोमिल सक्सेना को एसपी ने निर्लांबित भी कर दिया है। सोमिल सक्सेना पुलिस लाइन में पदस्थ है। पुलिस के मुताबिक, वह फरवरी से पुलिस लाइन ऑफिस से गैरहजरिज चल रहा है।

लिफ्ट देने के बाद हुई थी जान-पहचान: पुलिस के मुताबिक, महिला नर्मदापुरम से करीब 15 किमी दूर एक गांव की रहने वाली है। करीब एक साल

पहले सोमिल ने उसे नर्मदा तक लिफ्ट दी थी। इसी दौरान दोनों की जान-पहचान हुई और उन्होंने मोबाइल नंबर ले लिए। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। महिला का आरोप है कि बातचीत के

की जरूरत बताई। इस पर महिला ने उसे 10 ग्राम के जेवर दे दिए। जब उसने जेवर वापस मांगे तो सोमिल ने गहने लौटाने के बहाने उसे घर बुलाया। महिला का आरोप है कि घर बुलाने के बाद सोमिल ने उसके साथ जबरदस्ती की। उसने ऐसा दो-तीन बार किया। जेवर वापस नहीं मिलने पर महिला सिटी कोतवाली थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

एसपी बोले- आरोपी गिरफ्तार: एसपी साई कृष्णा एस. थोटा ने बताया कि एक महिला ने युवक पर रेप का आरोप लगाया है। आरोपी पुलिस विभाग में कांस्टेबल है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। सोमिल सक्सेना पुलिस लाइन में पदस्थ है और करीब 7 महीने से ऑफिस से अनुपस्थित है। उसे 2022 में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी।

जो रूट के भाई बिली रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



लंदन,एजेसी। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट के भाई बिली रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बिली राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये पर घरेलू क्रिकेट में बेहद सफल रहे हैं। उन्होंने 11 साल के पेशेवर क्रिकेट करियर के बाद संन्यास लिया है। बिली ने अपना अंतिम मुकाबला 15 सितंबर को ग्लेसमोर्गन की ओर से सरे के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने 22 रन बनाए थे। यह दिन उनके लंबे और संघर्षपूर्ण क्रिकेट सफर का अंतिम पड़ाव था। बिली भले ही अपने भाई जो रूट की तरह अंतरराष्ट्रीय मंच पर इंग्लैंड की ओर से नहीं खेल पाये पर घरेलू क्रिकेट में बेहद सफल रहे। साल 2015 में उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कदम रखा था, जिसके दो साल बाद साल 2017 में उन्होंने लिस्ट-ए और टी20 प्रारूपों में भी डेब्यू किया। लगातार तीनों प्रारूपों में प्रदर्शन करने के बावजूद भी वह चयनकर्ताओं को प्रभावित नहीं कर पाये। इसी कारणउन्हें कभी इंग्लैंड के लिए खेलने का अवसर नहीं मिला। बिल का करियर आंकड़ों के लिहाज से भी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने कुल 83 फर्स्ट क्लास मैचों में भाग लिया, जहां उन्होंने 53.96 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 4107 रन बनाए। इस प्रारूप में उन्होंने 7 शानदार शतक और 17 अर्धशतक लगाये। इससे उनकी बल्लेबाजी क्षमता नजर आती है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर 229 रन रहा है। इसके अतिरिक्त बिली ने 60 लिस्ट-ए मैचों में भी अपना जोहर दिखाया, जिसमें उन्होंने 89.66 के स्ट्राइक रेट से कुल 1665 रन बनाए। इस प्रारूप में उनके नाम 3 शतक और 9 अर्धशतक दर्ज हैं। वहीं, टी20 क्रिकेट में बिली रूट 50 मैचों में मेदान पर उतरे और उन्होंने 634 रन बनाए। हालांकि, टी20 में वह कोई शतक या अर्धशतक लगायें नें नाकाम रहे। अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ, बिली एक पार्ट-टाइम गेंदबाज भी थे और उन्होंने अपने करियर में तीनों प्रारूपों को मिलाकर कुल 14 विकेट भी हासिल किए, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचय देता है।

मेरी कॉम का भावुक खुलासा: एक समय ‘आत्महत्या करना चाहती थी’

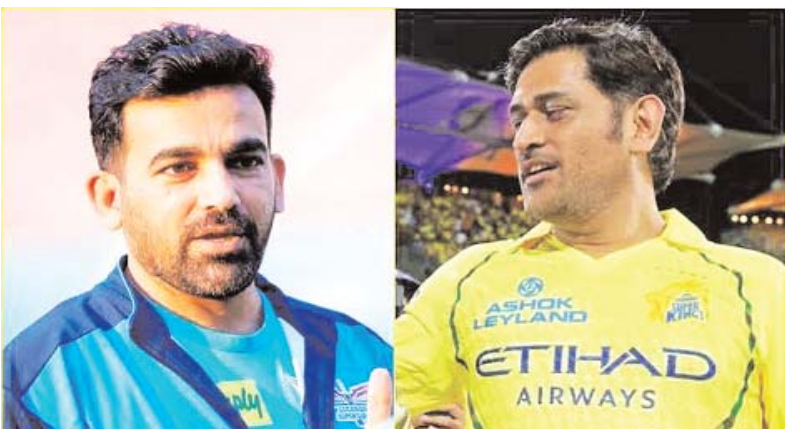


मुम्बई,एजेसी। छह बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता मेरी कॉम ने कहा है कि एक समय वह अपनी परेशानियों से इतनी टूट गयी थी कि अपना जीवन तक़ सभास करना चाह रही थी पर बच्चों के कारण रुक गयी। मेरी कॉम ने जीवन के सबसे भयावह और निजी संघर्ष का खुलासा करते हुए ये बातें बिग बॉस 20 के घर में साथी कंटेस्टेंट्स स ईशा रिखी, रीति तिवारी और कनिका मान से कही। देश की एक विजेता मुक्केबाज मेरी को सबसे मजबूत माना जाता था पर वह अपने में इतना दर्द समेटे थी ये कोई नहीं जानता था। अपनी यात्रा के दौरान आए भावनात्मक उतार-चढ़ाव को लेकर इस महिला मुक्केबाज ने कहा कि एक समय वह पूरी तरह टूट गई थी। उस मुश्किल दौर को याद करते हुए मेरी ने कहा कि वह एक

ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थी जहां उन्होंने अपनी जान देने के बारे में भी सोचा था। साथ ही कहा, मैं बहुत मजबूत हूँ लेकिन उस साल, मैं थोड़ी कमजोर पड़ गई थी। इस कारण मैं टूट गई थी। मुझे बहुत कुछ करना था। मेरी ने अपने अंदर चल रहे गहरे संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा, मैं अपनी जान देना चाहती थी। मैं यही सोच रही थी। लेकिन मैं आज भी अपने बच्चों के लिए जिंदा हूँ, वे छोटे थे। यह उनके बच्चों के प्रति उनका आगाह प्रेम और जिम्मेदारी की भावना ही थी जिसने उन्हें उस कठिन समय में एक नई उम्मीद दी और जीवन को गले लगाने का साहस प्रदान किया। मेरी कॉम ने यह भी कहा कि उनका जीवन हमेशा चुनौतियों से भरा रहा है। बचपन से ही उन्होंने कठिन हालातों का सामना किया है और अपने परिवार, अपने राज्य मणिपुर और अपने देश के लिए कई त्याग किए हैं। बचपन से ही मैंने बहुत कुछ देखा है। मैंने अपने परिवार, अपने राज्य और अपने देश के लिए त्याग किया है। कौन इस तरह लड़ सकता है ? यह एक चुनौती है, उन्होंने अपनी संघर्षपूर्ण जीवन यात्रा का वर्णन किया। मेरी ने आगे कहा, मैं एक अलग तरह की पथलीट हूँ। मैं और पदक जीतना चाहती हूँ। एक दो, तीन पदक काफी नहीं हैं। मुझमें अभी भी भूख है, लेकिन ज्यादा उम्र होने की वजह से अब मैं हिस्सा नहीं ले सकती। यह उनके भीतर की अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है, भले ही शारीरिक सीमाएं अब उन्हें रोक रही हों।

बातचीत के एक और भावुक पल में, मेरी ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की अपनी अक्षमता पर भी बात की। उन्होंने बताया कि समय के साथ उन्हें अपने आँसू रोकने पड़े हैं। मैं बहुत रोई हूँ। अब, धीरे-धीरे, मुझे अपने आँसू अंदर ही रोकने होंगे, उन्होंने कहा। यह दिखाता है कि एक खिलाड़ी के रूप में और जीवन में संघर्ष करते हुए, उन्हें अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना पड़ा है, जिससे उनके आंतरिक संघर्ष और भी गहरे हो गए हैं।

जहीर ने सीएसके का कोच पद संभाला



चेन्नई,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के नए हेड कोच बन गये हैं। जहीर ने कोच पद संभाल लिया है। जहीर से पहले स्टीफन फ्लेमिंग पिछले 18 साल से सीएसके के कोच थे। पद संभालते ही, जहीर टीम के दो युवा तेज गेंदबाजों, गुर्जपनीत सिंह और खलील अहमद से भी मिले और भविष्य की

रणनीतियों और गेंदबाजी विभाग को मजबूत करने पर बात की। फ्लेमिंग हाल ही में इंग्लैंड के टेस्ट कोच का पदभार संभालने के बाद सीएसके से अलग हुए थे। जहीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भारतीय टीम की ओर से 92 टेस्ट, 200 एकदिवसीय और 17 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। विशेष रूप से, 2011 विश्व कप में

21 विकेट लेकर वह भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2024 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से भी खेला था। इससे पहले वह लंबे समय तक मुंबई इंडियंस के कोच रहे थे। सीएसके के पूर्व कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी, कप्तान रतुगुज गायकवाड़ और मालिक रूपा गुरुनाथ सहित प्रमुख सदस्य इस बार एक भारतीय कोच चाहते थे। इसी कारण जहीर को ये जिम्मेदारी दी गयी है। नए कोच के आने से टीम को पिछले सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरने की उम्मीद है। पिछली बार आईपीएल में सीएसके 14 मैचों में से केवल छह में जीत हासिल की, जबकि आठ मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। एक समय टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई थी, लेकिन निर्णायक क्षणों में वह पिछड़ गईं और अंततः अंतिम चार में जगह बनाने से चूक गईं। इन घटनाक्रमों के बीच ही सीएसके मैच फिक्सिंग से जुड़े संगीन आरोपों का भी सामना कर रही है। इससे टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 8-2 से रौंदा

नागोया ,एजेसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने गुरुवार को एकतरफा मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टीम ने टूर्नामेंट का आगाज इंडोनेशिया के खिलाफ 13-1 की धमाकेदार जीत के साथ किया था। इसके बाद दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए श्रीलंका को 16-1 से रौंदा था। साउथ कोरिया के खिलाफ भारतीय टीम ने मैच का अपना पहला गोल चौथे मिनट में दागा। शिलानंद लंकरा ने भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद मैच के 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने जल्द ही भारत को बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआत 10 मिनट में दो गोल होने के बाद साउथ कोरिया का डिफेंस पूरी तरह से दबाव में दिखा, जिसका फायदा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच के 11वें



मिनट में हाथ आए पेनल्टी कॉर्नर पर उठाया। उन्होंने भारत के लिए तीसरा गोल किया। पहले क्वार्टर का अंत होते-होते अभिषेक ने चौथा गोल करते हुए भारत को मैच में 4-0 से आगे कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में साउथ कोरिया का डिफेंस मजबूत नजर आया और उन्होंने शुरुआत में भारतीय टीम को कोई मौका नहीं दिया। हालांकि, मैच के 26वें मिनट में दिलप्रीत सिंह विपक्षी टीम के डिफेंस को भेदने में सफल रहे और उन्होंने भारत को लीड को 5-0 कर दिया। छह मिनट बाद ही दिलप्रीत ने मुकाबले में अपना दूसरा और भारत के लिए 32वें मिनट में छठ गोल किया। भारत के अटैकिंग खेल के आगे बेबस दिख रहे साउथ कोरिया के डिफेंस को 38वें मिनट में अभिषेक ने एक बार फिर भेदा और टीम इंडिया के लिए सातवां गोल दागा।

अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया



अरब गुल मोमंद ने लिए 4 विकेट

निशिन ,एजेसी। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हरा दिया। जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहम्मद अकरम ने 29 गेंदों पर 2 छक्के और 2 चौकों की मदद से 34 रन बनाए।

करीम जनत ने 23 गेंदों पर 21 और कप्तान दर्शिव रसूली ने 27 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली। आखिरी ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक ने 17 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से 25 रन की पारी खेलकर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जापान के लिए शोमा सुगाया-स्लेटर और इब्राहिम ताकाहाशी ने 2-2 विकेट लिए। थॉमस और डेविस को 1-1 विकेट मिला।

रोशिबिना ने एशियाई खेलों की वुशु स्पर्धा में रजत पदक जीता

नागोया ,एजेसी। भारत की वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने एशियाई खेलों की महिला वुशु स्पर्धा के 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता है। यहां हुए एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन की शियाओयु झांग के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इससे उन्हें रजत पदक ही मिल पाया। इसी के साथ ही रोशिबिना का ये एशियाई खेलों में तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले साल 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य और 2023 हांगझो एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। रोशिबिना ने शुरुआत से ही बेहतरीन खेल दिखाते हुए क्वार्टर फाइनल में मकाऊ की चू मैन सिन को 5-0 से हराया। इससे उनका पदक पक्का हो गया। इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया की थानिया कुसुमनिंगर्यास को 2-0 से हराया। वह एशियाई खेलों में वुशु में दूसरी बार रजत पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। रोशिबिना के इस पदक के साथ ही एशियाई खेलों में वुशु में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं एशियाई खेलों में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर अब 14 पहुंच गयी है। इसमें एक स्वर्ण, छह रजत और सात कांस्य पदक हैं। इन खेलों तक का रोशिबिना का सफर काफी कठिन रहा है। चयन ट्रायल में उन्हें दिव्यांशी चौधरी से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके चलते शुरुआत में सात सदस्यीय टीम में उनका नाम नहीं था। हालांकि, बाद में दिव्यांशी के चोटिल होने के कारण रोशिबिना को भारतीय टीम में शामिल किया गया। ट्रायल में हारने और टीम से बाहर होने के बाद मिले इस अप्रत्याशित अवसर को रोशिबिना ने पूरी तरह भुनाया। उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कड़ी मेहनत व समर्पण से इस मौके को एक यादगार उपलब्धि में बदल दिया। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया हालांकि उन्हें अंत में चीन की प्रतिद्वंद्वी से हार के कारण केवल रजत पदक ही मिल पाया।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार

शीर्ष-10 में शामिल हैं तीन भारतीय

दुबई ,एजेसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं। शीर्ष 10 में से तीन भारतीय हैं। भारतीय खिलाड़ी एकदिवसीय और टी20 दोनों ही प्रारूपों में अपनी जगह बनाते दिखे हैं। कुल 16 खिलाड़ी अलग-अलग प्रारूपों की शीर्ष-10 रैंकिंग में शामिल हैं, जिनमें से तीन भारतीय खिलाड़ी अपनी-अपनी श्रेणी में नंबर-1 एक स्थान पर कायम हैं। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो अलग-अलग प्रारूपों की शीर्ष-10 रैंकिंग में छाये हुए हैं। टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव आया है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद टीम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में चौथे स्थान पर फिसल गई है। वहीं खिलाड़ियों की व्यक्तिगत रैंकिंग बनी हुई है। ऑलराउंडरों की सं की सूची में रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा ऑलराउंडर वेंशिंगटन सुंदर भी छठे स्थान पर ही हैं। बल्लेबाजी में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दोनों सातवें जबकि गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चौथे



गुस्से में लिए फैसलों से वक्त के पहले समाप्त हुआ रायडू का कैरियर

हैदराबाद ,एजेसी। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू भारतीय टीम के एक ऐसे बल्लेबाज रहे हैं। जो बेहद प्रतिभाशाली थे पर अपने मिजाज गर्म के कारण और अप्रत्याशित फैसलों से उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे होंगे, जिनकी पहचान उनके खेल के साथ-साथ उनके बागी तेवरों के लिए भी बनी हो और उनमें से अंबाती रायडू एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई बार अपने गुस्से और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से अपने ही करियर को नुकसान पहुंचाया। क्रिकेट के खेल में संयम का बहुत महत्व होता है, और रायडू के करियर को देखकर यह बात बखूबी समझी जा सकती है। कभी बीसीसीआई से पंगा, कभी विश्व कप टीम से बाहर होने पर तत्काल संन्यास का ऐलान, और कभी-कभी मैदान के बाहर भी गुस्से में आकर विवादों में घिरना। ये सभी घटनाएं उनके नाम के साथ जुड़ गईं। हालांकि, इन विवादों के बावजूद, एक बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठया गया। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर थे, जिनमें भारत के लिए लंबा खेलने का कैरियरलिप्त था। उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ शायद 2019 एकदिवसीय विश्व कप टीम का चयन रहा। मध्यक्रम में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जा रहे रायडू को



अचानक टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह ऑलराउंडर विजय शंकर को मौका मिला। चयनकर्ताओं के इस फैसले से आहत होकर, रायडू ने तुरंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यह रायडू के गुस्से और बगावती तेवर का ही परिणाम था कि उन्होंने उस समय ऐसा बड़ा फैसला लिया। बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी की कोशिश की पर तब तक भारतीय टीम के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो चुके थे। यह पहली बार नहीं था जब रायडू ने नियमों को चुनौती दी हो। साल 2007 में उन्होंने बीसीसीआई द्वारा अवैध घोषित की गयी इंडियन क्रिकेट लीग (आईसीएल) में खेलने का फैसला किया था। इस बागी लोग में शामिल होने के कारण बीसीसीआई ने उन्हें और अन्य खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया था। यह वही दौर था जब आईसीए के जवाब में आईपीएल की नींव रखी गई, जो आज क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हालांकि, बाद में बीसीसीआई की माफी योजना के तहत उनकी गलती माफ कर दी गई, और उन्हें देवारा घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनुमति मिली।भारतीय टीम के लिए रायडू ने कुल 55 एकदिवसीय और 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने कई बार अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया, लेकिन उनके गर्म मिजाज ने हमेशा उनके करियर को छेदा कर दिया। एक परिपक्व मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में उनकी कमी टीम इंडिया में अवसर महसूस की गई।

भारत ए महिला क्रिकेट टीम को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने दो विकेट से हराया

नई दिल्ली ,एजेसी। भारत ए महिला क्रिकेट टीम को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए के हाथों 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इसी सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने जीत था। वहीं दूसरे मैच में जीत से ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। ऐसे में अब शुक्रवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले पर सभी की नजरे रहेंगी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने यास्तिका भाटिया के शतक से एक बड़ा स्कोर बनाया पर इसके बाद भी टीम जीत हासिल करने में विफल रही। भारतीय

टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने केवल 84 गेंदों में 16 चौकों और दो छक्कों की सहायता से 112 रन बनाये। इसके अलावा तेजल हसबनीस और अनुष्का शर्मा ने भी 60-60 रन बनाये। इन शानदार प्रदर्शनों से भारत ए ने 6 विकेट के नुकसान पर 338 रन बनाये। वहीं पारी के अंत में निककी प्रसाद 0 और मीनू मणि 3 के कम रनों में आउट होने से भारतीय टीम के रनों पर अंकुश लग गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज डार्ली ब्राउन ने सबसे ज्यादा 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लग गया। वहीं 339 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए

ऑस्ट्रेलिया ए की बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की। उनके शीर्ष चार बल्लेबाजों में से तीन ने अर्धशतक लगाये। कप्तान तहलिया विल्सन ने 77 गेंदों पर 79 रन बनाये। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अनिका लौरेंगड ने 29 गेंदों में 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। विल्सन और लौरेंगड के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई अहम साझेदारी ने सलामी बल्लेबाज निकोल फाल्टम के जल्दी आउट होने के शुरुआती झटके से टीम को उबारने में मदद की।



सीरीज 1-1 से बराबरी पर पहुंची

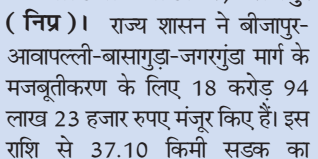
संक्षिप्त समाचार

बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़-जगरगुंज सड़क के मजबूतीकरण के लिए 18.94 करोड़ मंजूर



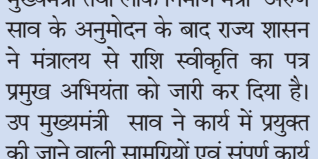
मीडिया ऑडीटर , रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने बीजापुर-आवापल्ली-बासागुड़-जगरगुंज मार्ग के मजबूतीकरण के लिए 18 करोड़ 94 लाख 23 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इस राशि से 37.10 किमी सड़क का मजबूतीकरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति का पत्र प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य शासन ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी।

दुर्ग के रोहित दास वैष्णव को महज 4 दिनों में मिला अनुज्ञप्ति लाइसेंस



मीडिया ऑडीटर , रायपुर (निप्र)। प्रदेश में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प' अभियान के तहत आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का त्वरित और पारदर्शी लाभ मिल रहा है। सुशासन की इस व्यवस्था ने नगर निगम और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को इतना सरल बना दिया है कि लोगों के वर्षों पुराने कार्य अब निमनटों और दिनों में पूर्ण हो रहे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के निवासी रोहित दास वैष्णव के लिए सेवा-सेतु केंद्र और डिजिटल व्यवस्था एक बड़ी राहत बनकर सामने आई है। व्यावसायिक सुगमता और शासकीय सेवाओं को सहज उपलब्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण पेश करते हुए रोहित दास वैष्णव ने अपने अनुज्ञप्ति (ट्रेड/बिजनेस) लाइसेंस के लिए 27 अगस्त को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया था। सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं प्रदान करने के प्रशासनिक संकल्प के चलते, उनके आवेदन का त्वरित सत्यापन किया गया और मात्र 4 दिनों के भीतर 31 अगस्त को उनका अनुज्ञप्ति लाइसेंस स्वीकृत कर जारी कर दिया गया। बिना किसी कार्यालयीन चक्कर और अनावश्यक कागजी कार्रवाई के इतनी शीघ्रता से लाइसेंस प्राप्त होने पर रोहित दास वैष्णव ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं के विस्तार और सेवा-सेतु केंद्रों की सक्रियता से आम नागरिकों का समय और पैसा दोनों बच रहे हैं।

एराआईबीएसएम में सामुदायिक कम्पोस्टिंग पर जनभागीदारी जागरूकता अभियान



मीडिया ऑडीटर , रायपुर (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के अंतर्गत आर्सेएआरदुष्पट्टीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा संस्थान के अनुसंधान फार्म स्थित कम्पोस्ट यूनिट में 'जनभागीदारी जागरूकता अभियान - ग्राम समुदाय के लिए कम्पोस्टिंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के फार्म श्रमिकों एवं कर्मचारियों को वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक स्तर पर कम्पोस्ट निर्माण तथा वर्मी कम्पोस्टिंग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ गांव, खुले में कचरा जलने की प्रवृत्ति में कमी, कृषि अवशेषों के पुनर्चक्रण तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को घर्ष से निस्कलने वाले जैविक कचरे तथा खेतों से प्राप्त कृषि अवशेषों के अलग-अलग एकत्रित कर उनका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने तथा उन्हें उपयोगी जैविक खाद में परिवर्तित करने की जानकारी दी गई। सामुदायिक कम्पोस्ट पिट एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापित करने और उनके प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। बताया गया कि किसान एवं ग्रामीण समुदाय स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जैविक सामग्री का उपयोग कर कम लागत में कम्पोस्टिंग इकाइयां स्थापित कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 175 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

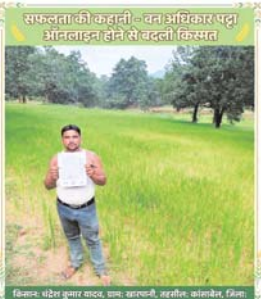
शहर को पेयजल, सामुदायिक भवन, अधोसंरचना और अमृत मिशन सहित विभिन्न विकास कार्यों की मिली बड़ी सौगात



हमारी सरकार जिस कार्य का भूमिपूजन करती है, उसका लोकार्पण भी हमारी ही सरकार करती है। विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा कर जनता को उसका लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माथे पर नक्सलवाद का कलंक था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा ढाई वर्ष में लगभग 12 हजार 666 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अब सरायपाली का विकास भी तीव्र गति से हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की सरकार में लगातार विकास के काम हो रहे हैं। देश की दशा और दिशा बदलने का काम हमारी डबल इंजन की सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि सरायपाली के विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री ने सांवद की मांग पर क्षेत्र के विकास के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। सांसद मती रूक्मिणी चौधरी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री

सेवा की कहानी: वन अधिकार पट्टा ऑनलाइन हुआ तो खुला धान खरीदी का रास्ता, किसान चंद्रेश की बदली किस्मत

सफलता की कहानी - वन अधिकार पट्टा ऑनलाइन होने से बदली किस्मत



उपलब्ध कराई गई। छूटे हुए खसरे का एग्रीस्टेक में पंजीयन कराया गया और वन अधिकार पट्टे को ऑनलाइन आईडी से लिंक किया गया। इसके बाद खसरा ऑनलाइन रिकॉर्ड से छूटा हुआ था। एग्रीस्टेक में पंजीयन नहीं होने के कारण वे समर्थन मूल्य पर धान बेचने का लाभ नहीं ले पा रहे थे। अब तस्वीर बदल चुकी है। राजस्व विभाग के सहयोग से उनके वन अधिकार पट्टे के आदेश की प्रति

फसल भी तैयार थी। इसके बावजूद ऑनलाइन रिकॉर्ड में खसरा दर्ज नहीं होने के कारण उनका एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं हो पा रहा था। नतीजतन वे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था से जुड़कर अपनी उपज बेचने से वंचित थे। ऐसे समय में विभागीय स्तर पर उनकी समस्या का समाधान किया गया। राजस्व विभाग के सहयोग से वन अधिकार पट्टे की जानकारी उपलब्ध कराई गई और छूटे हुए खसरे को एग्रीस्टेक में दर्ज कराया गया। इसके साथ ही वन अधिकार पट्टा ऑनलाइन आईडी से लिंक होने के बाद उनकी फसल बिक्री की प्रक्रिया भी आसान हुई। ऑनलाइन रिकॉर्ड ने खोला योजनाओं का रास्ता वन अधिकार पट्टा ऑनलाइन होने और एग्रीस्टेक से जुड़ने के बाद चंद्रेश अब अपनी धान की उपज

को मंडी में बेच पा रहे हैं। इससे उन्हें समर्थन मूल्य पर धान बेचने की सुविधा मिली है और शासकीय योजनाओं से जुड़ने का रास्ता भी आसान हुआ है। डीसीएस एवं एग्रीस्टेक जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं का उद्देश्य किसानों से संबंधित जानकारी को व्यवस्थित और ऑनलाइन उपलब्ध कराते हुए उन्हें कृषि एवं अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ना है। चंद्रेश की कहानी बताती है कि किसी किसान के रिकॉर्ड का सही और ऑनलाइन दर्ज होना उसके लिए सरकारी सुविधा तक पहुंच का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। चंद्रेश बोले-अब धान बेचने में नहीं होती परेशानी अपना अनुभव साझा करते हुए चंद्रेश कुमार यादव ने कहा कि वन अधिकार पट्टा ऑनलाइन होने से अब वे धान मंडी में अपनी उपज बेच पा रहे हैं और इससे उन्हें लाभ मिल रहा है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्य शासन और राजस्व विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। चंद्रेश की कहानी केवल एक किसान के दस्तावेज ऑनलाइन होने की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि रिकॉर्ड दुरुस्त होने और डिजिटल व्यवस्था से जुड़ने के बाद एक वनांचल किसान के लिए शासकीय योजनाओं और बाजार तक पहुंच कैसे आसान हो सकती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा डिजिटल व्यवस्थाओं के माध्यम से किसानों और वनांचल के हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। चंद्रेश कुमार यादव की बदली हुई स्थिति इसी प्रयास के जमीनी असर की एक तस्वीर है।

बस्तर के वनकोमार में ‘अमृत सरोवर’ ने बदली तस्वीर जल संकट से मुक्ति के साथ ग्रामीणों को मिला आजीविका का नया सहारा

मीडिया ऑडीटर , रायपुर (निप्र)। जल संरक्षण और ग्रामीण स्वावलंबन की दिशा में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। बस्तर जिले के जनपद पंचायत बकावंड के ग्राम पंचायत वनकोमार स्थित गोहनामुण्डा क्षेत्र में ‘मिशन अमृत सरोवर’ के तहत निर्मित नवीन तालाब आज ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रहा है। कभी यह क्षेत्र भीषण जल संकट की मार झेल रहा था, जहाँ वर्षा जल संचयन की उचित व्यवस्था न होने से कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर अत्यधिक गिर जाता था तथा कृषि एवं मवेशियों के लिए पानी की भारी किल्लत बनी रहती थी। इस स्थायी समस्या के समाधान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल देने के उद्देश्य से यहाँ अमृत सरोवर निर्माण की योजना तैयार की गई थी। ग्राम पंचायत वनकोमार द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना ने समयबद्धता और लागत प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत स्वीकृत 20 लाख रूपए की लागत वाली इस योजना को मात्र 16 लाख रूपए के वास्तविक व्यय से 13 मई 2025 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उन्हें गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही सरोवर के तटबंधों को सुदृढ़ बनाकर परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और परिसर का सौंदर्योत्कर्ष भी सुनिश्चित हुआ। आज लंबालंब भरा यह सरोवर केवल वर्षा जल के विशाल संचयन और भूजल स्तर को रिचार्ज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। मत्स्यपालन विभाग के सहयोग से सरोवर में रोहू, कतला और मृगाल जैसी उन्नत प्रजातियों को मिसाल कायम कर सकता है, इसे बस्तर जिले के ग्राम कुम्हारवंड निवासी डमरू कश्यप महिला स्व-सहायता समूह को निरंतर अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और स्थानीय स्तर पर टिकाऊ रोजगार मिलने से ग्रामीणों के मौसमी पलायन पर भी प्रभावी विराम लगा है। समीपस्थ कृषि भूमि में नमी बने रहने और सिंचाई सुविधा सुलभ होने से कृषि उत्पादन को नई मजबूती मिली है, जिससे कभी उपेक्षित और बंजर दिखने वाला यह क्षेत्र आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक समृद्धि की नई इबारत लिख रहा है।

मीडिया ऑडीटर , रायपुर (निप्र)। दृढ़ इच्छाशक्ति और सरकारी योजनाओं के सही मार्गदर्शन से किस तरह एक साधारण किसान आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर सकता है, इसे बस्तर जिले के ग्राम कुम्हारवंड निवासी डमरू कश्यप ने साबित कर दिखाया है। आठवीं तक शिक्षित डमरू कश्यप मूल रूप से एक कृषक हैं, लेकिन खेती से पर्याप्त आमदनी न होने के कारण उनके परिवार को अक्सर गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। परिवार के भरण-पोषण और अतिरिक्त आय का जरिया तलाशने के दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध वनोपज का सदुपयोग करने की ठानी। बस्तर में इमली के भारी उत्पादन को देखते हुए उन्होंने

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने को हाईएस्ट शुगर रिकवरी के लिए मिला राष्ट्रीय पुरस्कार सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा—किसानों की मेहनत

all Federations cooperative societies Ltd.



मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर कारखाने से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों और

कारखाना प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि किसानों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की आपूर्ति,

कारखाने की तकनीकी दक्षता और बेहतर प्रबंधन से यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा, यह सम्मान किसानों की मेहनत और सहकारिता व्यवस्था की सामूहिक शक्ति का सम्मान है। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के अनुरूप सहकारी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं को किसानों की आर्थिक प्रगति और ग्रामीण विकास का मजबूत माध्यम बनाने के लिए काम कर रही है। हमारा प्रयास है कि संस्थाएं आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और किसान हितैषी बनें तथा उनके काम का सीधा लाभ किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सहकारिता को गांवों की अर्थव्यवस्था से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि सहकारिता विभाग में

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रेस प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा